रोहतक

रविवार 19 जुलाई 2026

आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष
षष्ठी वर्ष : 30, अंक : 165
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 40.4°C
न्यून. 25.4°C

haribhoomi.com

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

05 फीफा विश्व कप : खिताबी महासंग्राम आज अर्जेंटीना के सामने स्पेन का स्टील डिफेंस

Registration No.: HRERA-PKL-JJR-534-2024 Dated: 04.01.2024
https://haryanarera.gov.in/view_project/searchprojectDetail/2691
Project: Elite Homes | Developer: Y.P. Infratech Pvt. Ltd.

दीन दयाल जन आवास योजना

DEEN DAYAL AFFORDABLE PLOTS

(Under Deen Dayal Jan Awas Yojna 2016, Govt. of Haryana)

APPROVED RERA APPROVED

फ्री होल्ड आवासीय प्लॉट

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Affordable Plots सेक्टर–30, झज्जर, हरियाणा में दीन दयाल जन आवास योजना के तहत आवासीय भूखंड (हरियाणा सरकार की अफोर्डेबल रेज़िडेन्सियल प्लॉटेड कॉलोनी **DDJAY-2016** के तहत) पंजीकरण के लिए खुली हैं। विवरण वेबसाइट **www.deendayalaffordableplots.org** पर उपलब्ध है।

PROJECT LOCATION: SECTOR-30, JHAJJAR, HARYANA

शुरूआती मूल्य	आवेदन की अंतिम तिथि	आवंटन की तिथि
₹ 61 Lakh*	19-07-2026	22-07-2026

आवेदन करने के लिए भुगतान (असफल आवेदकों के लिए पूर्ण रूप से रिफंडेबल) **₹ 21,000 मात्र**

Area in (Sq.Yd.)	Area in (Sq.Mtr.)	Rate per (Sq.Yd.)	Registration Amount	10% Within 5 Days	40% Within 30 Days (Bank Loan Available*)	50% on Offer of Possession (Bank Loan Available*)	Total Cost*
122.61	102.5167	₹ 50,000	₹ 21,000	₹ 5,92,050	₹ 24,52,200	₹ 30,65,250	₹ 61,30,500

*PLC & Govt. Charges as Applicable

Registration of builder buyer agreement is mandatory after making a total payment of 10%

1 Sq. Mtr. = 1.196 Sq. Yd.

LOCATION ADVANTAGE

- Reliance Met City – 10 Min
- AIIMS Hospital Jhajjar – 15 Min
- Maharaja Agrasen P.G. College For Women – 4.5 Km
- NH352 – 0 Mtr
- NH 334B – 250 Mtr
- Jhajjar Railway Station – 3 Km
- Jhajjar Bus Stand – 1.5 Km
- Proposed Sector 30 Commercial Market – 200 Mtr
- D.H. Lawrence College Of Education – 3.7 Km
- Kidz Shaishav School – 4 Km

AMENITIES

Gated Community | Yoga | Open Air Gym | CCTV Surveillance | Green Park | Kids Play Area

Loan Available from Leading Banks

हेल्पलाइन नं. : +91-87450 17017

Register Online: www.deendayalaffordableplots.org

Scan to Apply

Disclaimer: All images and visuals are artistic impressions used solely for representational purposes. This advertisement does not constitute a legal offer or commitment. Project specifications, features, layouts, and timelines are subject to change without prior notice at the discretion of the developer or due to regulatory requirements. Travel times mentioned are approximate and may vary depending on traffic and local conditions. Terms & Conditions apply.

खबर संक्षेप

स्वच्छता जनभागीदारी का सबसे बड़ा माध्यम

चंडीगढ़। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने शनिवार को पानीपत में इसराना विधानसभा क्षेत्र के गांव वैसर में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं स्वच्छता अभियान में भाग लेकर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया तथा उपस्थित जनसमूह से अपने गांव, गली, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 171 गरीब एवं पात्र परिवारों को आवंटन पत्र भी वितरित किए।

जेजेपी ने की 54 महिला पदाधिकारियों की घोषणा

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन में विस्तार करते हुए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विचार-विमर्श के बाद 54 महिला पदाधिकारियों की नियुक्तियों की सूची जारी की। महिला प्रदेश महासचिव के पद पर ललिता सुहाग, सीमा बदोवाल, डॉ नफिशा व अन्य को नियुक्त किया है।

मकान खाली करने के नोटिस पर भड़के लोग

फरीदाबाद। सेक्टर 22 स्थित शिव नगर और मुजेसर इलाके में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की जमीन पर मकानों को खाली करने के नोटिस के बाद सैकड़ों की संख्या में लोग केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के ऑफिस पर पहुंचे। जहां लोगों ने मंत्री से अपने लिए पुर्नावास की मांग की। मंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि इसको लेकर अधिकारियों से बात की जाएगी। इसका समाधान निकला जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मधुबन में पुलिसकर्मियों से किया संवाद, बोले- एडवाइजरी जल्द

गैंगस्टर व गन कल्चर का महिमामंडन करने वालों की नकेल कसेगी सरकार

'ड्रग्स मुक्त हरियाणा संवाद' कार्यक्रम में एसटीएफ के अधिकारियों ने अपराधियों के गुणगान करने पर चिंता जताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन के हर्षवर्धन सभागार में आयोजित 'ड्रग्स मुक्त हरियाणा संवाद' कार्यक्रम में गैंगस्टरों और गन कल्चर के बढ़ते महिमामंडन का मुद्दा प्रमुखता से उठा। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया में गैंगस्टरों के महिमामंडन पर चिंता जताते हुए इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि अगस्त 2025 में हरियाणा विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मीडिया संस्थानों से गैंगस्टरों का किसी भी रूप में महिमामंडन नहीं करने की अपील की थी। इसके बावजूद इस तरह की सामग्री का प्रसार पूरी तरह नहीं रुका है। उन्होंने इस संबंध में सख्त एडवाइजरी जारी करने और उसके प्रभावी पालन की आवश्यकता बताई। एसटीएफ अधिकारियों ने कहा कि गैंगस्टरों और गन कल्चर को बढ़ावा देने वाली खबरों तथा सोशल मीडिया सामग्री का सबसे अधिक दुष्प्रभाव युवाओं पर पड़ रहा है। इससे युवा अपराधियों को अपना आदर्श मानने लगते हैं और उनकी जीवनशैली से प्रभावित होकर अपराध की राह पर बढ़ सकते हैं। अधिकारियों ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग (डीपीआरओ) और मीडिया संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय बनाने का भी सुझाव दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस विषय पर विधानसभा में पहले ही चर्चा हो चुकी है। उन्होंने हरियाणा पुलिस को सभी मीडिया संस्थानों के लिए जल्द एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति या माध्यम गैंगस्टरों का महिमामंडन करता पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया चैनल संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें कानून और नियमों की जानकारी देने की भी बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जागरूकता के साथ-साथ कानून का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

नशे के खिलाफ जन आंदोलन बनेगा अभियान हर जिले में बनेगा नशा मुक्ति केंद्र : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज, संस्कार और मानवता की रक्षा का अभियान है। इसे जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में आयोजित 'एक पुलिस, एक संकल्प-ड्रग्स मुक्त हरियाणा' कार्यक्रम के तहत सामुदायिक पुलिसिंग संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि करनाल की पावन धरती से नशे के खिलाफ नए अभियान का शंखनाद हो रहा है। प्रत्येक थाना केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित न रहकर सामाजिक बदलाव का केंद्र बने। थाना प्रभारी स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संगठनों और युवा मंडलों के साथ नियमित संवाद कर युवाओं को नशे और अपराध से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया के माध्यम से नशे का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है। ऐसे में केवल तस्करों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जिला, उपमंडल, ब्लॉक, गांव और वार्ड स्तर तक नशा मुक्ति टास्क फोर्स गठित करेगी, जिसमें जनप्रतिनिधि, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण विभाग, स्वयंसेवी संस्थाएं और समाज के प्रबुद्ध नागरिक शामिल होंगे।

नई पुलिस पुरस्कार नीति जल्द बनेगी

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों की मांगों पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने तफ्तीश हेड की राशि बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने, एनडीपीएस मामलों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों के लिए अलग पुरस्कार नीति बनाने, ड्यूल पर्पज ड्रग्स की निगरानी के लिए सॉफ्टवेयर आधारित प्रणाली विकसित करने, पुलिस लाइनों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने और प्रत्येक जिले में आधुनिक नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गैंगस्टर और गन कल्चर को बढ़ावा देने वाली सामग्री पर रोक के लिए मीडिया और कंटेंट क्रिएटर्स से सुझाव लेकर एडवाइजरी जारी की जाएगी। जो थाना प्रभारी अपने क्षेत्र को प्रभावी रूप से नशामुक्त बनाने में सफल होगा, उसे सरकार सम्मानित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वस्थ और नशामुक्त युवा सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवाओं को खेलों से जोड़ने पर जोर देते हुए सुपर-100 कार्यक्रम में नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 70 विद्यार्थियों को भी बधाई दी।

अब सरकारी स्कूलों के बच्चे पढ़ेंगे एआई और फिनटेक

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा का दायरा बढ़ाने के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी (फिनटेक) जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम शुरू करेगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान कर रोजगार और उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने समग्र शिक्षा योजना की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को शिक्षा सुधारों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपायुक्तों से अपने-अपने जिलों में 100 फीसदी नामांकन सुनिश्चित करने और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विजय सिंह दहिया ने बताया कि पहले चरण में 306 अतिरिक्त सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू की जाएगी। इससे वर्ष 2026-27 में माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा की पहुंच 31 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी। इस मौके पर अधिकारी मौजूद रहे।

- मुख्य सचिव ने समग्र शिक्षा योजना की समीक्षा की
- सभी जिलों में 100 फीसदी नामांकन के दिए निर्देश

हरियाणा में 789 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित

चंडीगढ़। हरियाणा में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने की दिशा में बिजली वितरण निगमों ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने 30 जून 2026 तक प्रदेश में 789 ईवी चार्जिंग स्टेशन एवं पॉइंट स्थापित कर वर्ष 2026 के लिए निर्धारित 900 के लक्ष्य का लगभग 88 प्रतिशत पूरा कर लिया है। यूएचबीवीएन एवं डीएचबीवीएन के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि राज्य सरकार की ई-मोबिलिटी नीति के तहत पूरे प्रदेश में आधुनिक, सुलभ और विश्वसनीय ईवी चार्जिंग नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी आएगी, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटेगी और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम में 380 के लक्ष्य के मुकाबले 336, फरीदाबाद में 60 में से 49, मानेसर में 60 में से 54, सोनीपत में 150 में से 126, करनाल में 100 में से 89, पानीपत में 75 में से 64 तथा रोहतक में 75 के लक्ष्य के मुकाबले 71 ईवी चार्जिंग स्टेशन एवं पॉइंट स्थापित किए जा चुके हैं।

पंजाब और चंडीगढ़ पुलिस के वाहन टकराए, दो घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा

बीच सड़क पर बहस में उलझे दोनों चालक, जाम में फंसे रहे लोग, ट्रैफिक पुलिस भी मौके पर नहीं पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

राजधानी के सेक्टर-39 स्थित मलोया लाइट प्वाइंट के पास शनिवार को पंजाब सरकार और चंडीगढ़ पुलिस के वाहनों की हल्की टक्कर के बाद करीब दो घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। हादसे के बाद दोनों वाहनों के चालक बीच सड़क पर ही बहस में उलझ गए, जिससे सड़क पर लंबा जाम लग गया और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोहाली के इंजीनियरिंग विभाग का वाहन लाइट प्वाइंट से मुड़ रहा था, जबकि चंडीगढ़ पुलिस का वाहन सीधे आ रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों चालक एक-दूसरे पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क पर ही बहस करने लगे। जिससे जाम लग गया।

ऑफिस के लिए निकले कर्मचारी जाम में फंसे

विवाद के दौरान दोनों वाहनों को सड़क से नहीं हटाया गया, जिससे व्यस्त मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। दफ्तर और अन्य कामों के लिए निकले लोग करीब दो घंटे तक जाम में फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने दोनों चालकों से वाहन हटाने की अपील भी की, लेकिन विवाद के चलते स्थिति सामान्य होने में काफी समय लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम के दौरान चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। करीब दो घंटे बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से मामला सुलझाया और अपने-अपने वाहन लेकर वहां से रवाना हो गए। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

सोनम वांगचुक को जबरन प्रदर्शन स्थल से हटाना लोकतंत्र पर प्रहार : राव नरेंद्र

- पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में सुधार तक कांग्रेस का संघर्ष रहेगा जारी : प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से जबरन हटाए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान पर सीधा प्रहार बताया। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार प्रत्येक नागरिक को संविधान ने दिया है। ऐसे में बलपूर्वक कार्रवाई कर आंदोलन को दबाने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 19 दिनों से सोनम वांगचुक का अनशन केवल एक व्यक्ति का आंदोलन नहीं है, बल्कि यह देश के लाखों छात्रों और युवाओं की उस पीड़ा का प्रतीक है, जो लगातार हो रहे पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली की खामियों और जवाबदेही के अभाव के कारण अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं का विश्वास किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी होता है। सरकार का दायित्व है कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे। जब बार-बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आती हैं, इससे छात्रों का हौसला टूटता है।

कारगिल के वीरों का शौर्य हमेशा प्रेरित करता रहेगा : अर्चना गुप्ता

चंडीगढ़। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पंचकूला में आयोजित 'सिम्फनी ऑफ विक्ट्री' कार्यक्रम में हरियाणा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव राष्ट्रसेवा और मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रेरित करता रहेगा। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. गुप्ता ने कहा कि कारगिल विजय केवल सैन्य सफलता नहीं, बल्कि भारत के स्वाभिमान, अटूट संकल्प और पराक्रम का प्रतीक है। उन्होंने युद्ध के नायकों, पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों से मुलाकात कर उनका सम्मान भी किया।

753 करोड़ ट्रांसफर विवाद सुलझा, बैंक ने श्रम कल्याण बोर्ड के खाते में भेजी राशि

- पुलिस शिकायत और डीसीपी से मुलाकात के बाद निकला समाधान, निजी बैंक ने ट्रांसफर की पूरी रकम

चंडीगढ़। हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के 753 करोड़ रुपये ट्रांसफर नहीं होने का विवाद आखिरकार सुलझ गया। पुलिस में शिकायत और डीसीपी से अधिकारियों की मुलाकात के बाद संबंधित निजी बैंक ने पूरी राशि बोर्ड के खाते में स्थानांतरित कर दी, जिससे विवाद समाप्त हो गया। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-7 स्थित एचडीएफसी बैंक शाखा पर बोर्ड की ओर से लिखित और मौखिक अनुरोध के बावजूद 753 करोड़ रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर नहीं करने का आरोप लगाया गया था। इस संबंध में हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के डिप्टी लेबर कमिश्नर (वेलफेयर) यशपाल सिंह ने शाखा प्रबंधक के खिलाफ आपराधिक विश्वासघात और लापरवाही के आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दी थी। अधिकारियों ने इस मामले को लेकर डीसीपी से भी मुलाकात की थी। बोर्ड का कहना था कि राशि समय पर स्थानांतरित नहीं होने से फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज का प्रतिदिन लाखों रुपये का नुकसान हो रहा था। इसी कारण बैंक प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

हरको बैंक कर्मचारी यूनियन की नई कार्यकारिणी गठित

- गोकुल प्रधान और सूरत सिंह सर्वसम्मति से उपप्रधान बने

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक (हरको बैंक) कर्मचारी यूनियन की महत्वपूर्ण आमसभा बैठक पूर्व प्रधान भूप की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में यूनियन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें गोकुल सिंह को प्रधान और सूरत सिंह को उपप्रधान सर्वसम्मति से चुना गया। पदभार संभालने के बाद नवनियुक्त प्रधान गोकुल सिंह ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए रविंद्र कुमार को महासचिव, दिनेश को सचिव, नवीन इंदौरा कोषाध्यक्ष, सुरेंद्र यादव को ऑडिटर, संगीत को संयोजक और जोगिंदर हुड्डा को सलाहकार नियुक्त किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। नवनियुक्त प्रधान गोकुल सिंह और उपप्रधान सूरत सिंह ने सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन को बढ़ावा देने की तैयारी

हाई रिस्क भवनों की ओसी प्रक्रिया होगी सरल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत हाई रिस्क भवनों के लिए ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग (डीटीसीपी) ने थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन प्रणाली के तहत आर्किटेक्ट्स के एम्पैनलमेंट के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। 17 जुलाई को जारी आदेश के अनुसार समिति का गठन हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017 के संशोधित प्रावधानों के तहत किया गया है। समिति पात्र आर्किटेक्ट्स का चयन कर उन्हें थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन के लिए एम्पैनल करेगी। इसकी अध्यक्षता चीफ टाउन प्लानर (हरियाणा) करेंगे। समिति में सीनियर टाउन प्लानर (मॉनिटरिंग), सीनियर टाउन प्लानर (इन्फोर्समेंट एंड विजिलेंस), डिस्ट्रिक्ट टाउन प्लानर (मुख्यालय) सदस्य सचिव तथा असिस्टेंट टाउन प्लानर (मुख्यालय) सदस्य होंगे। आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। पात्रता के लिए काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर का वैध पंजीकरण, हाई रिस्क भवनों के डिजाइन एवं निर्माण का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव और हरियाणा में कम से कम पांच हाई रिस्क भवन परियोजनाएं पूरी करने का अनुभव अनिवार्य होगा। समिति को आवश्यकता पड़ने पर हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017 के अनुरूप एम्पैनलमेंट की विस्तृत प्रक्रिया तय करने का भी अधिकार दिया गया है। विभाग के अनुसार इस पहल से ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया सरल होगी।

- डीटीसीपी ने आर्किटेक्ट्स के एम्पैनलमेंट के लिए पांच सदस्यीय समिति बनाई, ऑनलाइन आवेदन होंगे आमंत्रित

अवैध औद्योगिक कॉलोनियों के नियमितीकरण का रास्ता साफ

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नगर निकायों से बाहर स्थित अवैध औद्योगिक कॉलोनियों के नियमितीकरण का रास्ता खोल दिया है। नई नीति के तहत पहली बार ऐसी औद्योगिक कॉलोनियों को नियमित कर वहां सड़क, सीवरेज, पेयजल, जल निकासी और अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे राज्य के हजारों औद्योगिक प्रतिष्ठानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग ने हरियाणा मैनेजमेंट ऑफ सिविक अमेनिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेफिसिएंट एरियाज आउटसाइड म्यूनिसिपल एरिया (स्पेशल प्रोविजन्स) संशोधन अधिनियम, 2025 लागू कर दिया है। इससे पहले वर्ष 2022 की नीति केवल आवासीय कॉलोनियों पर लागू थी, जबकि अब औद्योगिक कॉलोनियों को भी इसमें शामिल कर लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत कम से कम 10 एकड़ क्षेत्र में फैली और न्यूनतम 50 औद्योगिक इकाइयों वाली, 3 अक्टूबर 2025 से पहले विकसित कॉलोनियां नियमितीकरण के लिए आवेदन कर सकेंगी। आवेदन उद्योगों का अधिकृत प्रतिनिधि ऑनलाइन करेगा।

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की सूची जल्द हाईकमान की मुहर का इंतजार : गुप्ता

प्रदेशाध्यक्ष बोलीं- हांसी और भिवानी को छोड़ सभी जिलों का दौरा पूरा, हारी हुई लोकसभा व विधानसभा सीटों पर संगठन मजबूत करने पर फोकस

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा भाजपा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी की सूची तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी गई है। हाईकमान की मंजूरी मिलते ही नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि हांसी और भिवानी को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों का दौरा पूरा हो चुका है और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए बैठकें आयोजित की गई हैं।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को पांच और विधानसभा चुनाव में 42 सीटों पर हार मिली थी। पार्टी इन क्षेत्रों में संगठन को नए सिरे से मजबूत करने और जनता का विश्वास जीतने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हार को निराशा नहीं, बल्कि सीख के रूप में लिया गया है और स्थानीय स्तर पर कमियों का विश्लेषण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की संगठन में भागीदारी बढ़ाना उनकी प्राथमिकता है। भाजपा ने महिलाओं को पर्याप्त अवसर दिए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं के सशक्तीकरण व आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास और कार्यकर्ताओं की मेहनत ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। सांगठनिक मतभेदों के सवाल पर डॉ. गुप्ता ने कहा कि भाजपा अनुशासित संगठन है। यदि कहीं छोटे-मोटे मतभेद हैं तो उन्हें संगठन के भीतर ही सुलझा लिया जाता है।

पंचायत चुनाव को लेकर रणनीति तैयार

उन्होंने कहा कि 2027 के पंचायत चुनाव सहित आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर विशेष रणनीति तैयार की जा रही है। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने और कमजोर क्षेत्रों में विशेष प्रभारियों की तैनाती की जा रही है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति करता है तथा झूठ फैलाकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास करता है, जबकि भाजपा का कार्यकर्ता समाज सेवा के संकल्प के साथ काम करता है।

कांग्रेस की नीतियां सही नहीं : गुप्ता

जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक के आमरण अनशन और पुलिस कार्रवाई को लेकर पूछे गए सवाल पर हरियाणा भाजपा की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने सीधा जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने के बजाय कांग्रेस की शिक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए भाजपा सरकार की शिक्षा और खेल क्षेत्र की उपलब्धियां गिनाईं। डॉ. गुप्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया, जबकि भाजपा सरकार शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है।

रोहतक
रविवार 19 जुलाई 2026
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष
षष्ठी वर्ष : 30, अंक : 165
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 40.4°C
न्यून. 25.4°C

हरिभूमि
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कामयाब

ऐसा करने वाला दुनिया का तीसरा देश बना भारत

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था। स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना 2018 में दो दोस्तों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी। विक्रम-1 को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। स्काईरूट ने 2022 में विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 किमी की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 किमी की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। ऑर्बिटल रॉकेटः जब कोई रॉकेट पृथ्वी के चारों ओर लगातार चक्कर लगाने लायक स्पीड हासिल कर लेता है, तो वह ऑर्बिटल रॉकेट कहलाता है। यह स्पीड लगभग 28,000 किमी/घंटा या 7.8 किमी/सेकंड होती है। सब-ऑर्बिटल रॉकेटः रॉकेट अंतरिक्ष की सीमा तक जाकर लौट आए, तो उसे सब-ऑर्बिटल रॉकेट कहते हैं।

18 कैरेट सोने से बना आर्ट पीस भेजा

कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति "कॉस्मिक ब्लूम" और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सीवी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा गया एक पोस्टकार्ड भी रॉकेट में भेजा गया, जिस पर 'वंदे मातरम' शब्द अंकित हैं।

स्काईरूट एयरोस्पेस ने खुद बनाकर अंतरिक्ष में भेजा
दो दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

सोने के कलाम, साराभाई व सीवी रमन भी भेजे गए

इस लॉन्चिंग को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया। इसके तहत विक्रम-1 रॉकेट अपने साथ टेक्नोलॉजी से लेकर कला से जुड़े पेलोड्स अंतरिक्ष में भेजे गए कॉमर्शियल और टेक्नोलॉजी के ये पेलोड्स भेजे गए, ग्रह स्पेस का टेक्नोलॉजी पेलोड, कॉस्मोसर्व स्पेस का पेलोड, डीक्यूब्ड का स्पेस रिसर्च से जुड़ा पेलोड, खुद स्काईरूट एयरोस्पेस का अपना इन-हाउस स्कोप पेलोड।

खबर संक्षेप

बारिश का अलर्ट : वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा रुकी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में अगले तीन दिन भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिसके चलते अमरनाथ यात्रा 19 जुलाई 2026 से स्थगित रहेगी। वहीं, वैष्णो देवी यात्रा भी शनिवार से रोक दी गई है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बारिश का 93 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। यहां 1993 में 14.93 इंच बारिश हुई थी। लेकिन शनिवार को 16 इंच बारिश हुई और ये रिकॉर्ड टूट गया। यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया। बिहार और यूपी में भी अच्छी बारिश हो रही है। एजेंसी

पूर्व पीएम देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा देवेगौड़ा का शनिवार को यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 80 से ज्यादा उम्र की थीं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, उन्हें बुधवार रात शहर के ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका इलाज सांस की बीमारी के लिए चल रहा था। एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एलओसी पर फायरिंग

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने पहली बार एलओसी पर भारी गोलीबारी की, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के तरकुंडी सेक्टर में एलओसी पर सीमा पार से फायरिंग हुई। गोलीबारी होते ही भारतीय सेना के जवानों ने जवाबी फायरिंग की और पाकिस्तानी सेना को मुहंतोड़ जवाब दिया। एजेंसी

सोनम वांगचुक को पुलिस ने जबरन जंतर-मंतर से उठाया

दवा लेने से किया इनकार, सफदरजंग अस्पताल ले गई पुलिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह पुलिस उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई। अस्पताल प्रशासन ने बुलेटिन जारी करके बताया कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने दवा लेने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया कि वांगचुक के शरीर पोटैशियम का लेवल घट गया है। यूरिन कीटोन बढ़कर 3+ हो गया। हालांकि, वांगचुक के डॉक्टर नितिन दीघे ने कहा- अस्पताल में गृह मंत्रालय का अधिकारी मौजूद होने के कारण हमारी टीम को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मो का भी दावा है कि सोनम का पोटैशियम लेवल कम है। इसकी दवा जंतर-मंतर पर भी दी जा सकती थी, अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं थी। वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। वजन भी 9.5 किलो तक कम हो चुका है।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच जमकर हुआ हंगामा

21 दिन से अनशन पर बैठे थे वांगचुक

शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की रखी है मांग

तीन छात्र भी भूख हड़ताल पर

वांगचुक के साथ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन की नेहा, आमीन और मनीष भी पिछले 21 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे हैं। वे अभी भी अनशन पर हैं। नेहा को गंभीर हाइपोग्लाइसीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई है, जबकि आमीन और मनीष की तबीयत भी लगातार बिगड़ रही है। हाइपोग्लाइसीमिया वह स्थिति है जब खून में शुगर लेवल सामान्य से बहुत कम हो जाता है।

वांगचुक की पत्नी बोलीं अस्पताल की रिपोर्ट गलत

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंग्मो ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसमें लिखा है- सफदरजंग अस्पताल की रिपोर्ट के मुताबिक सोनम वांगचुक का पोटैशियम लेवल 2.9 है, जबकि कल ही यह 4.3 था। वे न तो मुझे उन्हें किसी दूसरी लैब में ले जाकर दूसरी राय लेने दे रहे हैं और न ही वे मेरी मौजूदगी में उनका ब्लड सैंपल दे रहे हैं ताकि मैं कहीं और टेस्ट करवा सकूं। मैं 3 घंटे से इंतजार कर रही हूं, लेकिन उन्होंने अभी तक हमारी बात नहीं मानी है। पारदर्शिता की इस कमी से हमें शक हो रहा है और हमने तुरंत डिस्चार्ज करने की मांग की है ताकि हम अपनी पसंद के अस्पताल जा सकें। हम पिछले 2 घंटे से उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

दीपके का अनशन स्याही फेंकी गई

वांगचुक को हॉस्पिटल भेजे जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। वे जब मंच से नीचे आकर बैठे तो एक महिला ने दीपके पर स्याही फेंक दी। दीपके का कहना है कि वे वांगचुक के दोबारा धरना स्थल पर लौटने तक भूख हड़ताल पर बैठे रहेंगे।

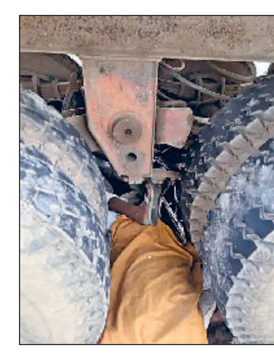

ड्राइवर की लापरवाही से हुआ हादसा

भिवानी में ट्रक ने दो सगे भाइयों व भांजे को कुचला

पेट्रोल पंप पर कर रहे थे साथी का इंतजार

सिवानी (हरिभूमि न्यूज)। नेशनल हाइवे नं. 52 पर गांव मोतीपुरा स्थित एक पेट्रोल पंप पर शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाई सहित भांजे की की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब तीनों व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल के पास खड़े होकर अपने एक साथी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान तेल भरवाने के लिए पेट्रोल पंप पर पहुंचे एक टैंकर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांव झूंपा के दोनो भाई 40 वर्षीय कालूराम, 45 वर्षीय मंगलाराम और उनका भांजा सुनील कुमार 25 किसी कार्य से अपने गांव से गढ़वा जा रहे थे। रास्ते में मोतीपुरा स्थित पेट्रोल पंप पर अपने एक साथी का इंतजार करने के लिए रुके हुए थे। इसी बीच पेट्रोल भरवाने आए टैंकर ने तीनों को कुचल दिया। हादसे में सुनील और मंगलाराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल कालू राम ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद गांव झूंपा में शोक की लहर दौड़ गई है।

तीसरी शादी को लव जिहाद बताया

आमिर को लॉरेंस गैंग से जान से मारने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर आमिर खान को तीसरी शादी करने पर अब लॉरेंस गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार गैंग ने आमिर खान की 5 जुलाई को हुई गौरी स्प्रैट से शादी को लव जिहाद बताया है। लॉरेंस गैंग की तरफ से एक लेटर और ऑडियो नोट जारी किया गया है। लेटर में लिखा है, हमारे देश में आमिर खान जैसे लोग लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसका जवाब बहुत जल्द इसको दिया जाएगा। ये चीज हमारे सनातन धर्म में और देश के खिलाफ है। ये जो स्टारडम के नाम पर इस चीज को बढ़ावा दे रहे हैं, इनकी हम सांसें दबा लेंगे।

एक्टर ने कहा था-गौरी हिंदू नहीं ईसाई

15 लोग गंभीर रूप से घायल

अहमदाबाद में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 9 मरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में शनिवार को पटाखा फैक्ट्री में धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 9 कर्मचारियों की मौत हो गई और करीब 15 घायल हो गए। हादसा रामोल से गतराड जाने वाले रास्ते पर महमूदपुरा टैलेंट के पास हुआ। यहां पास में ही रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) का कैंप है। धमाके की आवाज सुनते ही आरएएफ जवान तुरंत घटनास्थल पहुंचे और लोगों का रेस्क्यू किया। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर तक सुनाई दी। धमाके की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं।

5 किमी दूर तक सुनाई दी आवाज

वैन ड्राइवर प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को दिया अंजाम

पत्नी ने पति को सांप से डसवाकर मारा

दूध में नींद की गोली मिलाकर पिलाई फिर छोड़ दिए सांप

मेरठ (एजेंसी)। स्कूल संचालक पति को पत्नी ने सांप से डसवाकर मरवा दिया। उसने शादीशुदा वैन ड्राइवर प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दामिनी ने पहले पति अतुल कुमार (32) को दूध में नींद की गोलियां मिलाकर पिला दी। फिर रात 2 बजे प्रेमी और सपेरों को बुलाकर बिस्तर पर करैत सांप छोड़ दिया। यह देश के 4 सबसे जहरीले सांपों में आता है। वारदात के बाद दामिनी ने प्रेमी तुषार पायला को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। दामिनी शुक्रवार सुबह 6 बजे कमरे में पहुंची और चीखने लगी। उसने परिजनों से कहा कि अतुल को सांप ने काट लिया है। कमरे में सांप मौजूद था और अतुल के पैर पर डसने के निशान भी थे। इसे देखकर परिजनों को लगा कि उनकी मौत सांप के डसने से हुई है।

ऐसे हुआ खुलासा

मामला तब पलटा, जब पूछताछ में पत्नी दामिनी (30) ने बताया कि उसे गर्मी लग रही थी, इसलिए वह बेटे के साथ कमरे से बाहर सोने चली गई थी। उसके इस बयान पर परिजनों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने दामिनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कॉल डिटेल खंगालने पर वैन ड्राइवर तुषार पायला से उसकी लगातार बातचीत सामने आई। वहीं, तुषार को पकड़ा गया तो उसने पूरी साजिश कबूल कर ली। उसने बताया कि अतुल उनके रिश्ते में रोड़ा बन रहा था।

अल्पसंख्यकों ने किया प्रदर्शन

हिंदू युवक की गिरफ्तारी पर बांग्लादेश में भड़की हिंसा

झूठे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पकड़ा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की गिरफ्तारी के विरोध में राजधानी ढाका में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का आयोजन बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद ने नेशनल प्रेस क्लब के सामने किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हिंदू युवक हरिदास चंद्र तरणी दास को झूठे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। उनका कहना है कि यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने उत्तरी बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी इलाके में भगवान राम की 81 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने की पहल की थी। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मणिंद्र कुमार नाथ ने गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की।

युद्ध में अब पानी को बना रहे निशाना

अमेरिकी हमले में ईरान का वाटर प्लांट तबाह

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच अब समुद्र के खारे पानी को साफ करने वाले प्लांट्स को निशाना बनाया जा रहा है। ईरान ने शनिवार को दावा किया कि अमेरिका ने होर्मोजगान प्रांत में हवाई हमला कर बोंजी डिसैलिनेशन (वाटर) प्लांट को तबाह कर दिया। इस हमले के बाद 20 गांवों के करीब 10 हजार लोगों की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। वहीं, कुवैत ने कहा कि ईरान ने लगातार दूसरे दिन उसके पानी के प्लांट को निशान बनाया है। कुवैत में पीने का लगभग 90 प्रतिशत खारे पानी को मीठी बनाने की प्रक्रिया (डिसैलिनेशन) से मिलता है। कुवैत की तरफ से कहा गया है कि इसमें किसी भी तरह की रुकावट रेगिस्तान वाले छोटे से देश में जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकती है। होर्मुज स्ट्रेट के आसपास फिर से बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच पाकिस्तान और कुवैत ने अमेरिका और ईरान से पिछले महीने हुए इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन का सम्मान करने और तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने की अपील की है। *विस्तृत पेज-6 पर*

72वें राष्ट्रीय पुरस्कार का ऐलान, यामी बेस्ट एक्ट्रेस

फिल्म आर्टिकल 370 को नेशनल अवॉर्ड, कार्तिक आर्यन बेस्ट एक्टर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

फिल्म आर्टिकल 370 को शनिवार को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में वर्ष 2024 की बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। वहीं, फिल्म 'श्रीकांत' को बेस्ट हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला और यामी गौतम को लीडिंग रोल में बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार दिया गया। वहीं, 'ब्रमायुगम' के लिए ममूटी और 'चंदू चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन को संयुक्त रूप से लीडिंग रोल में बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया।

राजकुमार राव की 'श्रीकांत' बनी बेस्ट हिंदी फिल्म

बेस्ट हिंदी फिल्म का पुरस्कार जीतने वाली फिल्म 'श्रीकांत' का डायरेक्शन तुषार हीरानंदानी ने किया था। फिल्म में मुख्य भूमिका में राजकुमार राव नजर आए थे। फिल्म में ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर भी अहम भूमिकाओं में थे। सैकनिल्क के मुताबिक, 35 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने करीब 60 करोड़ रुपये कमाए।

यामी को पहला नेशनल अवॉर्ड

बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार जीतने वाली 'आर्टिकल 370' का निर्देशन आदित्य सुहास जांभले ने किया था। फिल्म में यामी गौतम ने मुख्य भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। जो उनका पहला नेशनल अवॉर्ड होगा। सैकनिल्क के मुताबिक, करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 110 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया।

इन्हें भी अवॉर्ड

बेस्ट हिंदी फिल्म
श्रीकांत

बेस्ट डायरेक्टर
राजकुमार पेरियासामी (अमरन)

बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर
संजय मिश्रा (भक्षक)

बेस्ट सिनेमैटोग्राफी
शेहनाद जलाल (ब्रमायुगम)

बेस्ट स्क्रीन प्ले
सुकुमार (पुष्पा 2)

बेस्ट सिंगर मेल
अभय जोधपुरकर (घरात गणपति)

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मां की गाली भी हर मामले में क्राइम नहीं होती

गाली देना हर बार अश्लीलता नहीं होती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई के दौरान की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

कामुकता को बढ़ावा देने वाले शब्द ही अश्लील

जमीन के विवाद में हुई गाली-गलौज

अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्दों भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई थी।

निचली अदालत ने उसे अश्लीलता गंभीर चोट के लिए दोषी माना था

सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी (आईपीसी की धारा 506) के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने (आईपीसी की धारा 326) के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी गई है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर 'कोर्ट उठने तक की कैद' कर दिया है। साथ ही, उसे 2 महीने के भीतर 50,000 रुपये का जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है।

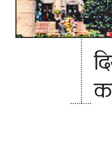

वकील ने सीजेआई का नाम लेकर कहे थे अपशब्द

10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील ने हंगामा किया था। सीजेआई सूर्यकांत को अपशब्द कहे और फाइल भी फेंकी। इस दौरान सीजेआई कोर्ट रूम में मौजूद नहीं थे। यह घटना जस्टिस केवी विश्वनाथन, जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। हंगामे के बाद कोर्ट के आदेश पर सिक्योरिटी ने वकील को तुरंत बाहर निकाल दिया।

खबर संक्षेप

करंट की चपेट में आने से 20 भैंस और एक कटड़ी की मौत

करनाल। मेरठ रोड स्थित नगला फार्म पुल के नीचे शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। बिजली के खंभे के पास अचानक करंट फैलने से 20 भैंसों और एक कटड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय पंजाब के कुछ चरवाहे अपने पशुओं के झुंड के साथ यहां से गुजर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही पशुओं का झुंड बिजली के खंभे के पास पहुंचा, वह करंट की चपेट में आ गया। कुछ ही क्षणों में एक-एक कर सभी पशु जमीन पर गिर पड़े। इस हादसे से चरवाहों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

कार में एसी का कंप्रेसर फटने से लगी आग

फतेहाबाद। शहर के भट्टू रोड पर शुक्रवार देर रात अग्रवाल कॉलोनी मोड़ के पास अचानक एक इटियॉस कार में भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि कार में सवार दो लोगों ने समय रहते नीचे उतरकर अपनी जान बचा ली। कार मालिक यहां किराए पर रहता है और निजी कंपनी में नौकरी करता है। शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे वह कार में बैठकर साथी से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान अचानक कार के अगले हिस्से से धुआं उठने लगा। धुआं उठता देख दोनों युवक तुरंत कार से नीचे उतरे। इसी बीच कार का एसी कंप्रेसर जोरदार धमाके के साथ फट गया और गाड़ी ने भीषण आग पकड़ ली।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बिजली न आने पर सड़कों पर दौड़ा गुस्से का करंट

हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, सोनीपत व रोहतक समेत कई जिलों में बिजली कटों से परेशान लोग सड़कों पर उतरे, पावर हाउस पर भी नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गर्मी और उमस की भयंकर मार के बीच बिजली कटों से आक्रोशित लोगों का प्रदेश के कई जिलों में गुस्सा फूट पड़ा। किसी जिले में लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया तो कहीं पावर हाउस पर नारेबाजी हुई। इन दिनों बिजली की मांग बढ़ने और ट्रांसफार्मरों में खराबी आने की वजह से कई गांवों में लंबे कट लग रहे हैं। इससे नाराज होकर हिसार, सोनीपत, पानीपत, रोहतक, भिवानी और चरखी दादरी आदि जिलों में प्रदर्शन किए गए।

उमस के चलते बिजली की मांग बढ़ती जा रही

उमस की वजह से बिजली की मांग ऑल टाइम पीक पर पहुंच गई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, 17 जुलाई को 14429 मेगावट की मांग हुई, जबकि सप्लाई 13691 मेगावाट की है।

चरखी दादरी। नेशनल हाईवे 334बी पर समसपुर अड्डे पर सड़क के बीच बैठी महिलाएं।

14429 मेगावट की मांग

13691 मेगावट सप्लाई

ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा दिक्कत

चरखी दादरी : हाईवे पर पांच घंटे लगाया जाम

चरखी दादरी। समसपुर में काफी समय से जारी अघोषित बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या से परेशान ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे 334बी पर गांव के अड्डे पर पांच घंटे जाम लगा दिया। अधिकारियों द्वारा रविवार तक समस्या के समाधान का लिखित आश्वासन दिए जाने पर जाम खोला गया। भिवानी में भी हनुमान ढाणी में प्रदर्शन किया गया।

हिसार के चौधरीवास बिजली घर पर प्रदर्शन

हिसार के चौधरीवास बिजली घर पर क्षेत्र के ग्रामीणों ने बिजली के अघोषित कटों के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के नेतृत्व में किया गया। पनिहार, चौधरीवास, गांवड, मुकलान, देवा, कालवास और भेरिया गांव के लोग बुरी तरह प्रभावित हैं। एसडीओ ने ग्रामीणों को दो दिनों के भीतर स्थायी समाधान करने का आश्वासन दिया।

सोनीपत में बिजली घर पर लगाया ताला

गोहाना। शुक्रवार रात बिजली सप्लाई में अघोषित कटों से परेशान गांव कथूरा के ग्रामीणों ने गांव के बिजली घर पर ताला लगा दिया। ग्रामीणों ने बिजली घर से जुड़े सभी गांवों की बिजली आपूर्ति भी पांच घंटे तक बंद करा दी। शनिवार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे अधिकारियों के आश्वासन के बाद ताला खोला। सोनीपत शहर में भी तीन जगह जाम लगाया गया।

आज से बारिश की संभावना

मौसम विभाग के नए अलर्ट के अनुसार, 24 से 48 घंटे के भीतर बारिश होने की संभावना है। 20 से 22 जुलाई के बीच भारी बारिश आ सकती है। ऐसे में कुछ समय और गर्मी की मार झेलनी पड़ सकती है।

नूंह में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर हादसा

यात्रियों से भरी टूरिस्ट बस पलटी शीशे तोड़कर यात्री बाहर निकाले

नूंह। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर पलटी टूरिस्ट बस।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नूंह

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर गांव बघोला के पास शनिवार दोपहर एक टूरिस्ट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस के दरवाजे क्षतिग्रस्त होने के कारण जाम हो गए। इसके बाद लोगों ने शीशे तोड़कर एक-एक कर यात्रियों को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि सात यात्रियों को चोटें आई हैं। सूचना मिलने पर सदर थाना फिरोजपुर झिरका पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और राहत कार्य संभाला। घायल यात्रियों को नल्हड़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज किया गया। हादसे के बाद एक्सप्रेस वे पर जाम भी लग गया। पुलिस ने टूरिस्ट बस को किसी तरह सड़क किनारे कराकर ट्रैफिक सुचारु कराया।

जानकारी के अनुसार, टूरिस्ट बस राजस्थान के जयपुर से दिल्ली जा रही थी। इसमें सूरत के यात्री सवार थे। इसी दौरान ड्राइवर का स्टेयरिंग से संतुलन बिगड़ गया और बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे पर पलट गई। हादसा होते ही घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद लोग और एक्सप्रेसवे से गुजर रहे राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। बस के दरवाजे जाम हो गए थे। इस पर लोगों ने शीशे तोड़कर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। पेट्रोलिंग इंचार्ज नेशनल हाईवे विजय कुमार ने बताया कि दुर्घटना में 7 यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं।

मरम्मत के लिए हाइड्रोजन ट्रेन को शकूर बस्ती भेजा, आज से चलेगी

- प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को दिखाई थी हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 जुलाई को हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन किया गया। शनिवार को यह ट्रेन नहीं चली। हालांकि मरम्मत के लिए हाइड्रोजन ट्रेन को शनिवार को शकूरबस्ती भेजा गया था, जिसकी रात को आने की संभावना है। रविवार को हाइड्रोजन ट्रेन सुचारू रूप से चलना शुरू होगी। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी। शुक्रवार को ट्रेन जींद से सोनीपत रूट पर नहीं चलेगी। ट्रेन नंबर 74010 रविवार को सुबह सात बजकर 40 मिनट पर जींद जंक्शन से रवाना होगी। वहीं, ट्रेन नंबर 74009 सुबह 10 बजकर 40 मिनट पर सोनीपत से रवाना होगी।

तालाब के पास दबाया किशोरी का शव कुत्तों ने नोचा, हत्या की जताई आशंका

- तीन से चार दिन पहले दफनाया हो सकता है शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

मलिकपुर गांव में धतूरी रोड पर तालाब के समीप दबाया गया किशोरी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। यह शव उस समय दिखाई दिया, जब कुत्तों ने जमीन को खोदा। ग्रामीणों ने कुत्तों को भगाकर सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल की टीम और स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस ने गड्ढा खुदवाकर कर पूरी तरह डेडबॉडी को बाहर निकला। कुत्ते एक हाथ का कुछ हिस्सा खा चुके थे। मृतका की उम्र करीब 15 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस अब शव की पहचान में जुट गई है और आसपास लापता किशोरी के बारे में पता लगाया जा रहा है।

शव को खोदकर निकालते हुए।

मलिकपुर गांव के सरपंच प्रतिनिधि सुरजीत ने बताया कि गांव का एक व्यक्ति अपने पशु चराने के लिए जोहड़ के किनारे गया था। इसी दौरान उसने देखा कि पंचायत की जमीन पर बनी कॉलोनी के पास रेतीली जमीन को कुत्ते खोद रहे हैं। पास जाकर देखा तो कुत्ते एक शव को नोच रहे थे। सुरजीत के अनुसार किशोरी के शव को करीब दो फीट गहरा गड्ढा खोदकर दबाया गया था। शव को देखकर ऐसा लग रहा था कि उसे तीन से चार दिन पहले दफनाया गया होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली जयपुर हाईवे पर हादसा

पिकअप पलटने से लगी आग लोगों ने लूटे बिखरे आम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे-48 पर आम से भरा एक पिकअप बेकाबू होकर पलट गया और उसमें आग भी लग गई। हादसे में जहां पिकअप चालक और हेल्पर घायल हो गए, वहीं इसमें लदी आम की पेटियां सड़क पर बिखर गईं। हादसा देख वहां से गुजर रहे लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। घायलों की मदद करने के बजाय लोग सड़क पर बिखरे आम उठाने में जुट गए। कई लोग अपने साथ बैग और झोले में आम भरकर ले जाते देखे गए। आम इकट्ठा करने की जल्दबाजी इतनी थी कि काफी देर तक किसी ने घायल अवस्था में तड़पते चालक और हेल्पर पर ध्यान ही नहीं दिया। इसी बीच कुछ स्थानीय लोग वहां पहुंचे और उन्होंने हादसे की सूचना पुलिस को देकर घायलों को अस्पताल पहुंचा। दोनों घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है।

सीवर में गैस से सफाई कर्मी की मौत

हिसार। शहर के जहाज पुल और लाहौरिया चौक के बीच शनिवार सुबह चार बजे सीवरेज की सफाई के दौरान अंदर गिरने और जहरीली गैस की चपेट में आने से 19 साल के मजदूर मेहरबान की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में भिजवाया, जहां से बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा रेफर कर दिया गया। मृतक मजदूर के साथ रहने वाले उत्तर प्रदेश के हाथरस निवासी अभिषेक ने बताया कि मेहरबान अभी करीब दस दिन पहले ही यहां काम के लिए आया था और वे एक ठेकेदार के पास सीवरेज सफाई का काम कर रहे थे। शुक्रवार रात को ठेकेदार ने मेहरबान को उसके साथी सोनू और राहुल के साथ जहाज पुल के पास सीवरेज साफ करने के लिए भेजा था। सुबह करीब चार बजे जब सीवरेज का ढक्कन खोला गया तो अचानक मेहरबान ने अपने सीने पर दोनों हाथ रख लिए और देखते ही देखते वह बेसुध होकर सीवरेज के अंदर गिर गया।

एंबुलेंस से शराब तस्करी, 59 पेटियां बरामद

पलवल। सीआईए टीम ने केएमपी एक्सप्रेस-वे पर नाकाबंदी के दौरान एक फर्जी एम्बुलेंस से 59 पेटी अवैध शराब बरामद की। इस दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। एम्बुलेंस पर लाल-नीली बत्ती लगी हुई थी, जिसका इस्तेमाल पुलिस को चकमा देने के लिए किया जा रहा था। सीआईए स्टाफ के हवलदार रविंद्र ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, एक फर्जी एम्बुलेंस में उसके मालिक की मिलीभगत से अवैध शराब भरकर राजस्थान के कोटा ले जाई जा रही थी। बहोला गांव के पास पलवल-नूंह मार्ग पर नाकाबंदी की। यहां एंबुलेंस आने पर पुलिस ने उसे रोककर जांच की तो गाड़ी में मरीज की जगह सीटों के नीचे छिपाकर अंग्रेजी शराब की पेटियां भरी हुई थीं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान झज्जर के बादली निवासी चालक दीपक और पानीपत की रामनगर कॉलोनी निवासी परिचालक सलीम के रूप में हुई है। उनके पास एंबुलेंस चलाने का कोई वैध दस्तावेज भी नहीं मिला।

रा.प्रा.पा. माजरा मु. भालखी खण्ड खोल, जिला रेवाड़ी

विषय : नीलामी (बोली) की सूचना

रा.प्रा.पा. माजरा मु. भालखी 16736 के जर्जर तीन कमरे बरामदा सहित के सामान की खुली बोली दिनांक 22.07.2026 को 10 बजे स्कूल प्रांगण में कराई जाएगी। नियम व शर्तें मौके पर बता दी जाएगी। एसएमसी का निर्णय अन्तिम होगा।

SMC GPS MM, Bhalkhi
खण्ड खोल, जिला रेवाड़ी

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

अलर्ट करनाल बस स्टैंड पर बस की चपेट में आने से बुजुर्ग को आया हार्ट अटैक

नर्सिंग छात्रा ने सीपीआर देकर बचाई महिला की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल में एक नर्सिंग छात्रा की सूझबूझ ने सड़क हादसे का शिकार हुई महिला को नया जीवन दिया। रोडवेज बस की टक्कर के बाद हार्ट अटैक से बेहोश हुई महिला की सांसें थमने लगीं तो गांधी नर्सिंग कॉलेज की बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा सोनाक्षी ने बिना समय गंवाए मौके पर ही कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देना शुरू कर दिया। करीब दो मिनट तक लगातार सीपीआर देने के बाद महिला की धड़कन और सांसें दोबारा चलने लगीं। बुधवार शाम को कुरुक्षेत्र के ईशाकपुर निवासी 65 वर्षीय रोशनी देवी करनाल रोडवेज बस अड्डे पर बस से उतर रही थीं। इसी दौरान दूसरी बस की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद उन्हें हार्ट अटैक भी आ गया और वह सड़क पर ही बेसुध होकर गिर पड़ीं। उसी समय कॉलेज से घर लौट रही सोनाक्षी की नजर महिला पर पड़ी। उन्होंने महिला की हालत गंभीर देख तुरंत सीपीआर देना शुरू कर दिया। आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई, जबकि सोनाक्षी लगातार महिला की सांसें लौटाने का प्रयास करती रहीं। एंबुलेंस आने तक उन्होंने सीपीआर जारी रखा और अस्पताल ले जाते समय भी महिला को सीपीआर देती रहीं। महिला के भाई सतपाल ने बताया कि रोशनी देवी अपने मायके करनाल आई थीं। मामले में जुंडला चौकी पुलिस को बस चालक के खिलाफ शिकायत दी गई है।

किसी की जान बचाने की है खुशी : सोनाक्षी

राहड़ा गांव निवासी सोनाक्षी गांधी नर्सिंग कॉलेज में बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। उनके पिता चंचल राम भारतीय वायु सेना से सेवानिवृत्त हैं और वर्तमान में हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में कार्यरत हैं। परिवार के अनुसार, सोनाक्षी शुरू से ही चिकित्सा क्षेत्र में सेवा करना चाहती थीं। सोनाक्षी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए सीपीआर कौशल का पहली बार वास्तविक परिस्थिति में उपयोग किया और खुशी है कि इससे एक महिला की जान बच सकी।

पीएम श्री के.वि. भाकली, जिला-रेवाड़ी

वर्ष 2026-27 में संविदात्मक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए पैनल तैयार करने हेतु साक्षात्कार

1.	31.07.2026 (शुक्रवार) साक्षात्कार सुबह 09:00 बजे से	पीजीटी अर्थशास्त्र, टी.जी.टी अंग्रेजी, प्राथमिक शिक्षक, योग /खेल प्रशिक्षक, बालवाटिका अध्यापक, स्टाफ नर्स (महिला), ATL / व्यावसायिक अनुदेशक	आयोजन स्थल पीएम श्री के. वि. भाकली

नोट :-
1. इच्छुक अभ्यर्थी केंद्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय की वेबसाइट पर दिए गए सविंदा साथी पोर्टल पर अपना पंजीकरण दिनांक 31/07/2026 प्रातः 09:00 बजे तक करना सुनिश्चित करें। जिसका URL-https://samvida-sathi.kvs.gov.in है। केवल पंजीकृत उम्मीदवार ही साक्षात्कार के लिए पात्र होंगे ।
2. शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धी जानकारी केन्द्रीय विद्यालय संगठन की वेबसाइट 'www.kvsangathan.nic.in' पर उपलब्ध है।
3. उक्त विज्ञापन पूर्णतया अस्थायी नियुक्ति हेतु है, जिसके कार्यकाल की कोई गारंटी नहीं दी जा सकती।
4. साक्षात्कार के पूर्व स्क्रीनिंग/लिखित परीक्षा ली जा सकती है। साक्षात्कार 100 अंकों का होगा जिसमें विषय की दक्षता, सामान्य जानकारी, अध्यापन कौशल एवं संप्रेषण आदि होंगे।
5. अभ्यर्थी अंग्रेजी व हिंदी दोनों भाषाओं में पढ़ाने में निपुण हो।
6. साक्षात्कार के समय मूल प्रमाण-पत्र लेकर आना आवश्यक है।
7. साक्षात्कार में प्रतिभाग करने वाले उमीदवारों को कोई यात्रा / दैनिक भत्ता देय नहीं होगा।

दूरभाष : 01259-298105
ईमेल - kvbhakli@gmail.com

प्राचार्य
पीएम श्री के.वि. भाकली

शब्द पहेली - 6291

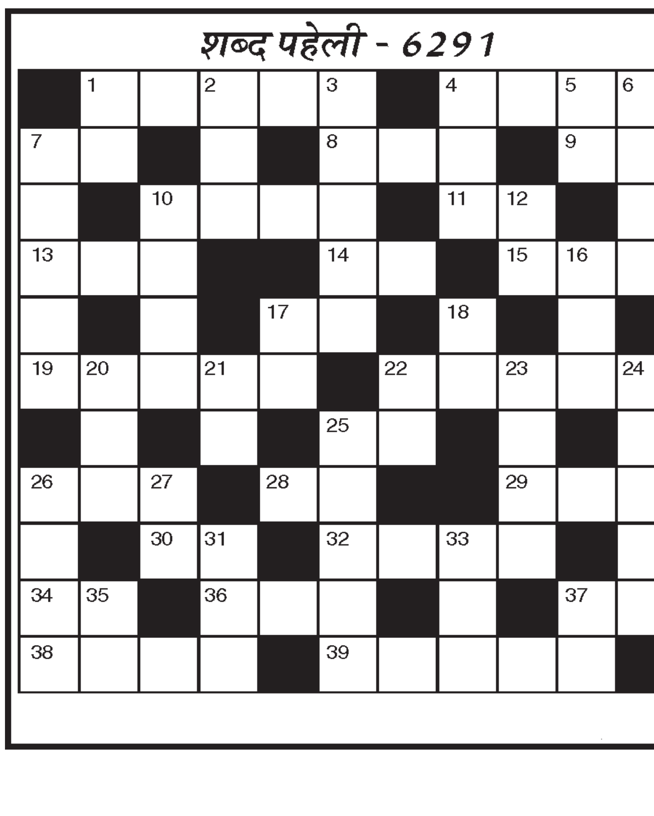

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6290 का हल

ल	गा	म		अ		त	र	ब	त	र
ल		त	म	स		ह	म	ला		खै
क	श			ल		ल			का	ल
	ही		क	हा	नी	का	र		र	
ब	द	मा	श		र		च	म	क	ना
			ल	क्ष		सी	ना			
र	त	ज	गा		आ		का	म	या	ब
	र		ना	ना	स	सु	र		च	
रा	ह			म		रा			क	म
ह		त	ना	व		पा	य	ल		हु
त	ल	ब	गा	र		न		ब	ल	वा

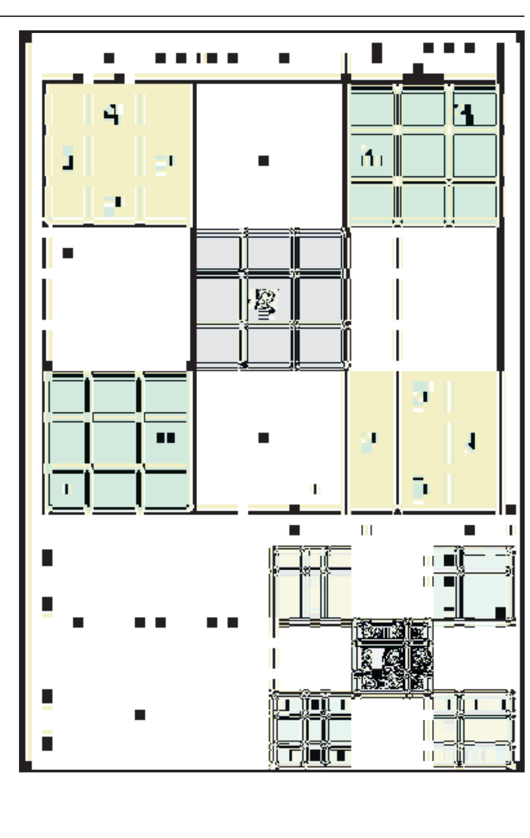

खबर संक्षेप

सपा नेता आजम की 2 साल की सजा बरकरार

आगरा। लोकसभा चुनाव-2019 के दौरान चुनावी सभा में अधिकारी को तनखैया बताने के मामले में

सपा नेता आजम खां को राहत नहीं मिली। निचली अदालत से मिली 2वर्ष की सजा के खिलाफ दायर उनकी अपील को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अदालत ने फैसले को सही ठहराते हुए सजा जुर्मामा बरकरार रखा है।

चेंगापल्ली के पास कार टैंकर भिड़े, 3 की मौत

तिरुप्पुर। तमिलनाडु में सेलम-कोयंबटूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेंगापल्ली के पास शनिवार को

एक कार के सड़क किनारे खड़े गैस टैंकर से टकरा जाने से एक महिला समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 घायल हो गए। मृतकों की पहचान विजय , उनकी पत्नी थेनमोझी और कुमार के रूप में हुई है। 8 लोगों का समूह तिरुत्तनी से ऊटी जा रहा था, तभी हादसा हुआ।

कोलकाता में रिहायशी इमारत में विस्फोट

कोलकाता। कोलकाता के पूर्वी बाहरी इलाके में में हुए विस्फोट में एक इमारत आंशिक रूप से

क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस को संदेह है कि यह घटना देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों के कारण हुई। दक्षिण नारायणपुर इलाके में हुए इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। मुख्य संदिग्ध मोहम्मद शमीम फरार है।

शिंदे गुट में बागी सांसदों के विलय को मंजूरी

नई दिल्ली। लोकसभा में टीएमसी और शिवसेना (उद्धव गुट) के बागी सांसदों की स्थिति को लेकर बड़ा

फैसला आ चुका है। इस कड़ी में महाराष्ट्र की शिवसेना यूबीटी को बड़ा झटका लगा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में उद्धव गुट के छह सांसदों के विलय को लोकसभा सचिवालय ने मंजूरी दे दी है। यूबीटी के सांसद अब शिंदे गुट के सांसद हो गए हैं।

हत्या मामले में 4 को आजीवन कारावास

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले की एक अदालत ने दनकौर थाना क्षेत्र के बिलासपुर

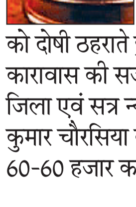

गांव में वर्ष 2016 में पुरानी रंजिश की वजह से एक युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में 4 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष कुमार चौरसिया की अदालत ने 60-60 हजार का जुर्माना लगाया।

पुलिस ने वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती कराया

भड़के विपक्ष ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा केंद्र सरकार का मूल सिद्धांत- असत्य व हिंसा

सुबह 7.40 बजे पुलिस धरनास्थल पर पहुंची

वांगचुक को अनिश्चितकालीन अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। विपक्ष ने केंद्र पर हमला किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। वांगचुक को अनिश्चितकालीन अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इसे लेकर कहा है कि उसने दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत 'असत्य और हिंसा' हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे।

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर भड़के राहुल गांधी

सरकार ने किसी को नहीं बख्शा: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि प्रोफेसर जीडी अग्रवाल, जिन्होंने गंगा को बचाने के लिए 111 दिनों तक आमरण अनशन किया था, से लेकर हरियाणा की ओलंपिक पहलवानों, 750 किसान आंदोलनकारियों, दलितों, आदिवासियों और पेपर लीक मामलों से प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों तक, किसी को भी सरकार ने नहीं बख्शा।

अहंकार ठीक नहीं, ये सरकार की हार

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर पूर्व सीएम केजरीवाल ने केंद्र पर हमला बोला है। केजरीवाल ने कहा कि इतना अहंकार ठीक नहीं है। उन्हें जबरन उठाने की बजाय, मोदी सरकार को सोनम से बात करनी चाहिए थी। आंदोलन को कुचलने की बजाय शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था सुधारो।

पूरी दुनिया में गहरी चिंता छाई: अखिलेश

अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- 'सोनम वांगचुक को 'बल-प्रयोग' करके, जबरदस्ती उनके आमरण अनशन स्थल से उठाकर ले जाना अत्यंत निंदनीय समाचार है। आज सुबह घटी ये घटना थोड़ी ही देर में पूरे देश और संपूर्ण विश्व में फैल चुकी है। सारी दुनिया और देशभर में वांगचुक को लेकर गहरी चिंता है।

आंदोलन खत्म नहीं

मंच पर फूट-फूटकर रोए दीपके, संसद चलो अभियान होगा

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके हटाए जाने के बाद प्रदर्शन के दौरान फूट-फूटकर रो पड़े। दीपके ने भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। आंदोलन खत्म नहीं होगा। संसद तक मार्च करेंगे। प्रधानमंत्री से इस्तीफा की मांग करेंगे।

दीपके पर स्याही फेंकी, महिला हिरासत में

जंतर-मंतर पर सीजेपी के संस्थापक दीपके पर स्याही फेंकी का मामला सामने आया है। एक महिला ने अभिजीत पर स्याही फेंक दी। दिल्ली पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। इस पर दीपके ने कहा कि उन्हें नीला रंग पसंद है।

सरकार पर बरसे सेलेब्स

तानाशाही की इंतहा:प्रकाश

आम जनता के साथ-साथ कई सेलेब्स की भी इस पर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। प्रकाश राज, विशाल ददलानी, काम्या पंजाबी जैसे एक्टर्स के रिएक्शन

इस मामले पर देखने मिल रहे हैं। इन सभी ने सरकार की जमकर आलोचना की है। इस घटना को लोकतंत्र की हत्या और तानाशाही का नाम दिया है। सोनाक्षी सिन्हा ने वांगचुक की भूख हड़ताल की तुलना महात्मा गांधी की भूख हड़ताल से की गई है। श्रेया धनवंतरी ने लिखा है, हर प्रदर्शन संदेह के घेरे में है। हर असहज करने वाला सवाल एंटी-नेशनल है। आमिर खान की भतीजी और अभिनेत्री जैन खान ने वीडियो में कहती दिखी हैं, मैं यह देखकर बहुत हैरान हूं। शब्द ही नहीं हैं।

वांगचुक अभी भी भूख हड़ताल पर हैं: पत्नी

वांगचुक की पत्नी ने खुलासा किया है कि सोनम अभी भी भूख हड़ताल पर हैं। डॉक्टरों को उन्हें इलेक्ट्रोल देने से मना किया है। वो किसी

दूसरे लैब से भी सोनम की जांच करवाएंगी, उन्हें सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं है। जल्द ही विश्वसनीय अस्पताल में भर्ती कराएंगे। 20 जुलाई को अगर सोनम मार्च में शामिल नहीं हो पाएंगे, तो मैं उनकी जगह मार्च का नेतृत्व करूंगी।

अभिषेक की बढ़ीं मुश्किलें

अमताला में पार्टी ऑफिस पर चला बुलडोजर,ध्वस्त

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने शनिवार को अमताला स्थित तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बेनर्जी के कार्यालय को ध्वस्त कर दिया है।

विभागीय जांच में पाया गया था इस कार्यालय का निर्माण स्वीकृत भवन योजना के बिना और लागू नियमों का उल्लंघन करते हुए किया गया था। मामले में एक अधिकारी ने बताया कि भारी सुरक्षा के बीच जेसीबी की मदद से कार्यालय को ध्वस्त किया गया। इस दौरान पुलिस और केंद्रीय बलों को घटनास्थल के आसपास तैनात किया गया था और एहतियात के तौर पर अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मी भी मौके पर मौजूद थे।

शिकायतों के बाद की गई कार्रवाई

अधिकारी ने बताया कि कार्यालय के निर्माण में सभी नियमों का उल्लंघन करने की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने आगे बताया कि संबंधित व्यक्तियों को 15 जुलाई को नोटिस जारी कर शिकायतों के आधार पर शुरू की गई वैधानिक प्रक्रिया के तहत सुनवाई के लिए उपस्थित होने को कहा गया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी

इस कार्रवाई के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जश्न का माहौल छा गया, जिन्होंने अपनी पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। अभिषेक डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र से टीएमसी के लोकसभा सांसद हैं। अमताला इसी निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। यहां से भाजपा विधायक अग्निश्वर नस्कर ने आरोप लगाया कि अभिषेक के पार्टी कार्यालय का निर्माण भवन नियमों का उल्लंघन करते हुए किया गया था और उन्होंने जिला प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत किया। नस्कर ने कहा कि यह ढांचा अवैध रूप से बनाया गया था। प्रशासन ने आखिरकार कानून के अनुसार कार्रवाई की है।

मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी बिजली गिरने का भी खतरा

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। देश के कई हिस्सों में मानसून की गतिविधियां तेज होने के साथ ही भारी बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। रिपोर्ट में उन प्रमुख कारणों को रेखांकित किया है, जिससे इन राज्यों को उच्च रैंकिंग मिली है।

पुरी पुलिस ने एडवाइजरी दी

रथ यात्रा में उमड़ी भारी भीड़ बच्चों-बुजुर्गों को साथ न लाएं

पुरी। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए ओडिशा पुलिस के महानिदेशक वाईबी खुरानिया ने श्रद्धालुओं से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और अस्वस्थ लोगों को साथ लेकर नहीं आने की अपील की है। सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एडवाइजरी का पालन करें। खुरानिया ने श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए कम उम्र के बच्चों को साथ न लाएं।

लाखों श्रद्धालुओं से भरी पुरी

डीजीपी ने कहा,ग्रैंड रोड श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ है। पूरे पुरी शहर में लाखों श्रद्धालु मौजूद हैं। लगातार बड़ी संख्या में लोग पुरी पहुंच रहे हैं। पूरे शहर में उत्साह और श्रद्धा का माहौल है।

भोंदू बाबा पर शिकंजा : चार्जशीट दाखिल और 36.90 करोड़ की संपत्ति जब्त

मुंबई। खुद को भगवान शिव का अवतार बताकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले कथित बाबा अशोक कुमार एकनाथ खरात (भोंदू बाबा) के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त कानूनी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 17 जुलाई को मुंबई की विशेष पीएमएलए कोर्ट में इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट में अशोक खरात, उसकी पत्नी कल्पना और चार अन्य सहयोगियों को आरोपी बनाया गया है। अब तक कुल 36.90 करोड़ की संपत्ति कुर्क, जब्त या फ्रीज की जा चुकी है। इसमें 15 जुलाई 2026 को कुर्क की गई 19.20 करोड़ की अचल संपत्तियां शामिल हैं। इससे पहले अप्रैल और मई 2026 में हुई छापेमारी के दौरान बैंक लॉकरों और वाहनों से 17.70 करोड़ की परिसंपत्तियां जब्त की गई थीं। ईडी की चार्जशीट के अनुसार आरोपी ने सहकारी क्रेडिट सोसाइटियों और बेनामी बैंक खातों के जरिए ठगी के पैसों का लेन-देन किया।

देश का सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य बना

नीति आयोग के निवेश अनुकूलता सूचकांक में शीर्ष पर गुजरात

- 56.6 अंकों के साथ प्रमुख राज्यों में प्रथम स्थान

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

नीति आयोग के प्रथम निवेश अनुकूलता सूचकांक 2026 में गुजरात ने भारत के प्रमुख राज्यों में पहला स्थान हासिल किया है, जिससे एक बार फिर यह देश के अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित हुआ है।

17 प्रमुख राज्यों के मूल्यांकन में गुजरात ने 56.6 अंकों के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, जबकि महाराष्ट्र (53.7) और तमिलनाडु (53.3) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य द्वारा पारदर्शी, प्रभावी और निवेशक-अनुकूल कारोबारी वातावरण विकसित करने की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। निवेश अनुकूलता सूचकांक में निवेश की पूरी प्रक्रिया नीति निर्माण और सुशासन से लेकर बुनियादी ढांचे, व्यापार सुविधा और वित्तीय प्रबंधन तक को कवर करने वाले आठ प्रमुख स्तंभों के अंतर्गत 84 संकेतकों के आधार पर राज्यों का मूल्यांकन किया गया है।

इंडेक्सटीबी की सिंगल-विंडो सुविधा, त्वरित एनओसी और स्थिर श्रम वातावरण ने जीता निवेशकों का विश्वास सूचकांक के अनुसार, गुजरात की नीतिगत स्थिरता और निवेशक-केंद्रित प्रशासन उसकी सबसे बड़ी ताकतों में शामिल हैं।

कोर्टरूम में रील बनाई तो खैर नहीं, अब शपथपत्र देना होगा

नई दिल्ली। भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) ने वकीलों, कानून के छात्रों और इंटर्न के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को लेकर नई आचार संहिता जारी की है। अब अदालत परिसर, कोर्टरूम, बाररूम, वकीलों के चैंबर और न्यायिक भवनों में रील, वीडियो, फोटो या कप्रचार वाला कंटेंट बनाने पर रोक लगा दी गई है। वकीलों के बैंड और गाउन का उपयोग भी सोशल मीडिया पर प्रचार या व्यक्तिगत ब्रांडिंग के लिए करने से मना किया गया है।कानूनी शिक्षा से जुड़े छोटे वीडियो, रील, पॉडकास्ट क्लिप या पोस्ट साझा करने की इजाजत रहेगी, बशर्ते वे भ्रामक दावे करने वाले न हों। बीसीआई ने सोशल मीडिया एथिक्स नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है।

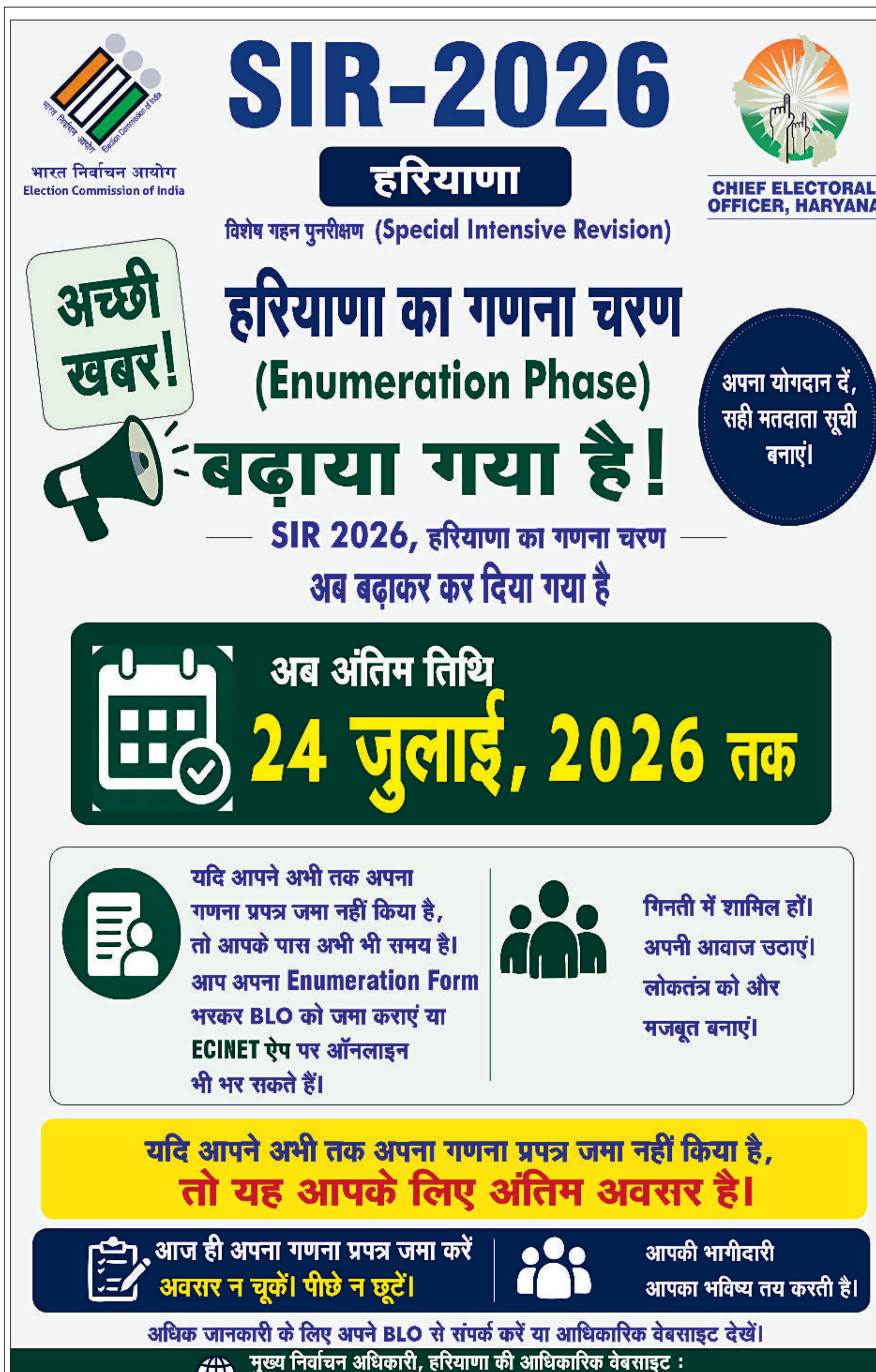

'सौश्रुतम 2026' का समापन

अब आयुर्वेदाचार्यों की पहचान कुशल सर्जन के रूप में हो रही

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में आयोजित 3 दिनी अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 'सौश्रुतम 2026' का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 15 से 17 जुलाई तक आयोजित इस संगोष्ठी में भारत और विदेशों के प्रमुख विशेषज्ञों ने आचार्य सुश्रुत की शल्य चिकित्सा विरासत, आयुर्वेदिक सर्जरी में नवाचार और आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वय पर विचार-विमर्श किया। खास बात यह रही कि अतिथियों ने कहा कि अब आयुर्वेद आचार्यों की पहचान सर्जन की हो

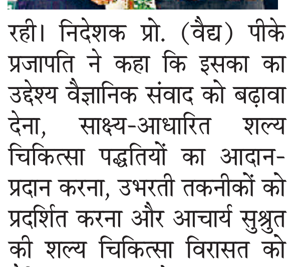

रही। निदेशक प्रो. (वैद्य) पीके प्रजापति ने कहा कि इसका का उद्देश्य वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देना, साक्ष्य-आधारित शल्य चिकित्सा पद्धतियों का आदान-प्रदान करना, उभरती तकनीकों को प्रदर्शित करना और आचार्य सुश्रुत की शल्य चिकित्सा विरासत को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना था।

संसद सत्र कल से

मानसून सत्र से पहले सरकार ने आज बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने कल सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील करेगी। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा और उन्हें पारित किए जाने की संभावना है। केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में

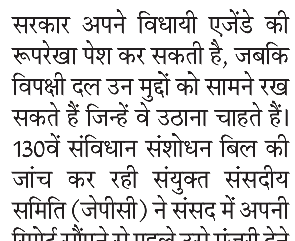

सरकार अपने विधायी एजेंडे की रूपरेखा पेश कर सकती है, जबकि विपक्षी दल उन मुद्दों को सामने रख सकते हैं जिन्हें वे उठाना चाहते हैं। 130वें संविधान संशोधन बिल की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने संसद में अपनी रिपोर्ट सौंपने से पहले उसे मंजूरी देने की उम्मीद है।

संसद का मानसून सत्र इस बार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह 13 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र में कुल 25 दिनों में 19 बैठकें होंगी। मोदी सरकार विदेशी अंशदान (नारेबाजी/चंदे) विनियमन संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के अपमान पर 3 साल की सजा का बिल जैसे कई नए विधेयक पेश करने की तैयारी में है। वहीं, मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा। संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवाद, सहमति और संसदीय नियमों का पालन आवश्यक है। संसद की गरिमा तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे तथा विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुनें। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मानसून सत्र के लिए आत्म अवलोकन जरूरी

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ ग्रीष्म ऋतु की तपन से राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है।

यह लगभग साढ़े तीन दशक पहले की बात है। उन दिनों की संसदीय जिन्दगी में सांसदों के पास न तो लैपटॉप थे, न 'गूगल' की त्वरित सुविधा और न ही सत्ता पक्ष या प्रतिपक्ष के पास अपने कोई भारी-भरकम मीडिया-वॉर रूम थे। पुरानी कतरनें एकत्र करने वाला कोई अत्याधुनिक तंत्र भी तब मौजूद नहीं था। मगर उन दिनों एचवी कामथ, नाथ पई, मधु लिमये, मधु दंडवते, डॉ. राममनोहर लोहिया और आचार्य कृपलानी सरीखे ऐसे प्रखर सांसदों की मौजूदगी, सत्ता पक्ष को भी सदा मुस्तैद व जवाबदेह बनाए रखती थी। नेहरू-लोहिया के मध्य 'साढ़े 5 आना औसत आय' और कृपलानी व नेहरू के मध्य कृष्ण मेनन प्रकरण पर होने वाली बहसें आज भी प्रासंगिक हैं और संसदीय दिशा की सच्ची सूचक हैं। तब ये दिग्गज जब सदन में प्रवेश करते थे, तो अपने तर्क के पक्ष में नियमित 'होमवर्क' भी करते थे और उनके दोनों हाथों में संदर्भ पुस्तकें होती थीं।

मगर अब इन सब बातों की कोई आवश्यकता भी महसूस नहीं होती। क्योंकि आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है, जहां देश की दिशा और दशा तय होती है। हर बार की तरह इस बार भी एक यक्ष प्रश्न पूरे देश के मानस पटल पर गूंज रहा है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा।

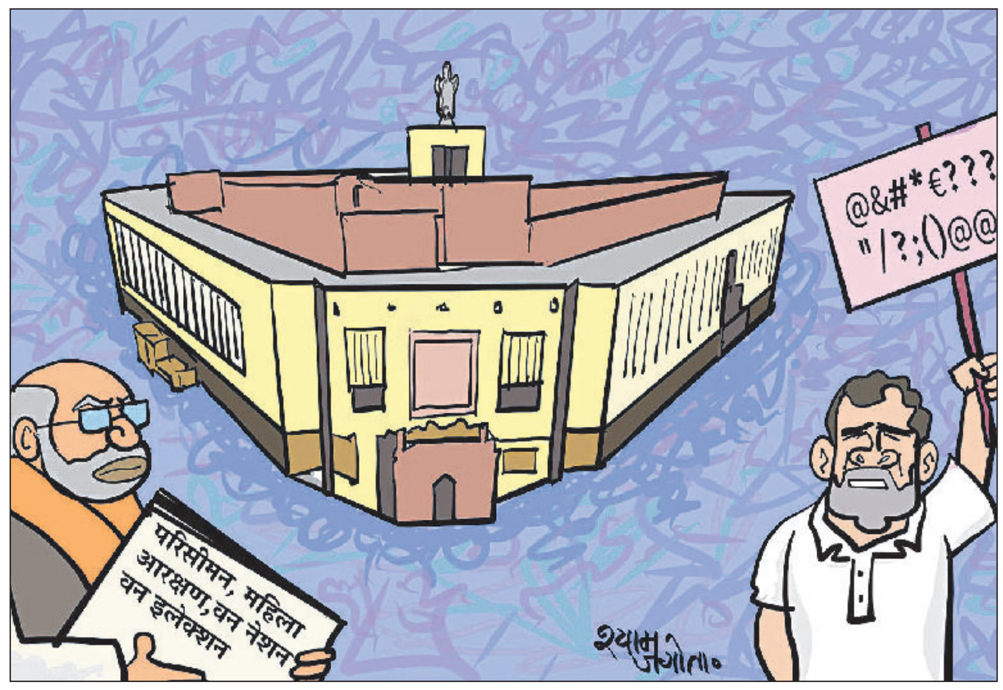

राष्ट्रहित को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता

जब सरकारें विपक्ष की चिंताओं को उदारतापूर्वक सुनती हैं और विपक्षी नेताओं के साथ नेपथ्य में अनौपचारिक संवाद स्थापित करती हैं, तो प्रायः बड़े से बड़े गतिरोध भी बर्फ की भांति पिघल जाते हैं। इन गंभीर परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि हमारे जन-प्रतिनिधि यह आत्मसात करें कि संसद कोई राजनीतिक अखाड़ा नहीं, अपितु राष्ट्रीय विमर्श का सर्वोच्च और पवित्र मंदिर है। इस मानसून सत्र से सम्पूर्ण राष्ट्र को यह अपेक्षा है कि विपक्ष अपना विरोध अवश्य दर्ज करे, परंतु तर्कों और प्रामाणिक तथ्यों की कसौटी पर। सरकार को भी विपक्ष के तीखे प्रश्नों का धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए और बिना किसी राजनीतिक दंभ के उनका उचित व पारदर्शी उत्तर प्रदान करना चाहिए। अंततः, यह प्रश्न अपनी जगह अडिग है कि क्या यह मानसून सत्र एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन की वेदी पर स्वाहा हो जाएगा। इस प्रश्न का उत्तर पूर्णतः इस बात पर निर्भर करेगा कि सत्ता और विपक्ष, दोनों ही पक्ष अपने राजनीतिक अहंकार और दलगत स्वार्थों को किनारे रखकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं या नहीं। यदि दोनों ही पक्ष यह स्मरण रखें कि वे उस भव्य इमारत में इसलिए आसीन हैं क्योंकि देश की सवा सौ करोड़ से अधिक जनता ने उन पर अपना अटूट विश्वास जताया है तो निश्चित ही यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने के बजाय भारत की प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

ज्वलंत मुद्दों की लंबी श्रृंखला

यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक जिज्ञासा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के कोटि-कोटि करदाताओं की उस गहरी चिंता का प्रकटीकरण है जो वे अपने द्वारा चुने गए जन-प्रतिनिधियों से रखते हैं। विगत कुछ वर्षों के संसदीय इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटें तो एक अत्यंत निराशाजनक चित्र उभर कर सामने आता है। संसद के सत्र, चाहे वह शीतकालीन हो, बजट हो या मानसून, प्रायः शोरगुल, अध्यक्ष के आसन के समीप आकर की जाने वाली नारेबाजी और अंततः अनिश्चित काल के लिए कार्यवाही स्थगित होने के गवाह बने हैं।

विपक्ष के पास सदैव सरकार को घेरने के लिए ज्वलंत मुद्दों की एक लंबी श्रृंखला होती है। चाहे वह बढ़ती महंगाई का विषय हो, बेरोजगारी की चुभती समस्या हो, केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का आरोप हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील प्रसंग हों।

सशक्त और मुखर हो विपक्ष

विपक्ष का निरंतर यह तर्क रहता है कि सरकार सदन में उनके स्वर को दबाने का प्रयास कर रही है, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा से पलायन कर रही है और बिना किसी सार्थक बहस के कानूनों को पारित करवा रही है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का यह मुखर आरोप होता है कि विपक्ष जानबूझकर राष्ट्र के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है, उसके पास कोई ठोस तर्क नहीं है और वह केवल राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। इस निरंतर चलने वाले आरोप-प्रत्यारोप के मध्य हमें यह कदापि विस्मृत नहीं करना चाहिए कि लोकतंत्र बिना एक सशक्त और मुखर विपक्ष के नितांत अधूरा है। प्रदर्शन करना, अपनी असहमति प्रकट करना और विरोध दर्ज कराना विपक्ष का नैसर्गिक लोकतांत्रिक अधिकार है। परंतु विरोध और व्यवधान के बीच एक अत्यंत सूक्ष्म किंतु महत्वपूर्ण लक्ष्मण रेखा होती है।

बहस के लिए तत्पर रहे सरकार

जब लोकतांत्रिक विरोध, अनियंत्रित व्यवधान में परिवर्तित हो जाता है तो विपक्ष अनजाने में उसी सर्वोच्च मंच को नष्ट कर देता है जो उसे सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए प्रदान किया गया है। संसद में प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसे बहुमूल्य प्रहर होते हैं, जब जन-प्रतिनिधि सीधे मंत्रियों से जवाब तलब कर सकते हैं। यदि सदन हंगामे की भेंट चढ़ जाता है तो विपक्ष सरकार का उत्तरदायित्व तय करने का अपना सबसे अचूक अस्त्र स्वयं ही त्याग देता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि सरकारें बहुमत से बनती हैं, किंतु राष्ट्र सर्वसम्मति से चलता है। सत्ता पक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर और सम्मान प्राप्त हो। यदि विपक्ष किसी विशेष और ज्वलंत मुद्दे पर विमर्श की मांग कर रहा है, तो सरकार को संसदीय नियमों की परिधि में उस पर खुली बहस के लिए तत्पर रहना चाहिए।

सदन में लगातार विरोध से विपक्ष की गिरती साख

व्यवधान

चरणजीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में वहां की संसद को सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र में संसद का स्थान किसी भी धर्मस्थल से ऊपर माना गया है, क्योंकि संसद ही वह स्थान है जहां आम जनमानस की समस्याओं के निवारण के कानून बनते हैं। देश के प्रत्येक नागरिक को ध्यान में रखकर किसी भी विषय पर चर्चा-परिचर्चा होती है। उसके बाद जनप्रतिनिधियों के वोट के आधार पर कोई विधेयक कानून का रूप लेता है। जब से देश में संविधान लागू हुआ है यह प्रक्रिया अत्यंत सुदृढ़ तरीके से आगे बढ़ रही है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को विश्व की सबसे सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। आज, जब पूरी दुनिया हमारे लोकतंत्र को एक मानक मानकर अपने देश में लोकतांत्रिक सुधार कर रही है। तब हमारे देश के लोकतंत्र में कुछ अनावश्यक त्रुटियां जगह बना रही हैं।

संसद का काम होता है जनप्रतिनिधियों के माध्यम से देश की जनता की नब्ज टटोलना, फिर उन समस्याओं के निवारण के लिए कानून बनाना। कानून बनाने की इस प्रक्रिया को एक सकारात्मक और आलोचनात्मक बहस से गुजरना आवश्यक है। अगर कोई कानून संसद में पर्याप्त बहस के बिना कानून का रूप ले लेगा तो वह कुछ लोगों को तो संतुष्ट कर सकता है, लेकिन देश के विकास की गति में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सकता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका कई मायनों में सत्ता पक्ष से भी महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका नहीं निभाता तो सरकार निरंकुश हो जाती है। पिछले कई वर्षों से यह देखा गया है कि विपक्ष जो विरोध करता है, वह रचनात्मक न होकर नकारात्मक होता है। विरोध की अपनी कुछ मर्यादाएं होती हैं। तथ्यों और तर्क के आधार पर विरोध स्वीकार्य होता है। उसे सुना भी जाता है और उससे कुछ सकारात्मक व रचनात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है। वर्तमान समय में होने वाला विपक्ष का विरोध, विरोध कम और व्यवधान अधिक होता है। विपक्ष का सजग होना और मुखर होना दोनों आवश्यक है। विपक्ष का काम है कि आईना बनकर सरकार के समक्ष खड़े रहना। सरकार की कमियों को उजागर करना और अगर कुछ गलत हुआ है तो उसे जनता के बीच तक ले जाना। लेकिन यही विरोध जब अपनी मर्यादा लांघकर अनियंत्रित होने लगे, अमर्यादा और हठधर्मिता पर उतर आए तो इसका मतलब होता है कि विपक्ष अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल है। संसद शुरू होने के पहले दिन से ही बिना किसी उचित कारण के तख्तियों और बैनर लेकर कुर्सियों पर खड़े हो जाना, लगातार नारेबाजी करना ,अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर शोर मचाना और इसी शोर शराबे के कारण संसद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करा देना न तो सरकार के पक्ष में होता है न ही विपक्ष के। इससे हर रोज जनता के टैक्स का लाखों रुपया बर्बाद होता है और बहुत से जनहित के विधेयक या तो लम्बे समय के लिए लटक जाते हैं या सरकार उन्हें बगैर किसी चर्चा के पास करा देती है जिसके कारण उन विधेयक में रचनात्मक सुधार की गुंजाइश समाप्त हो जाती है। इस प्रकार देश की जनता को मिलता है एक अधकचरा, अपरिपक्व कानून। जिसके दूरगामी परिणाम देश की जनता को झेलने पड़ते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के प्रावधानों को लेकर जनता में जाकर विरोध करना विपक्ष का कर्तव्य है। लेकिन देश की जनता यह भी पूछती है कि जब कानून बन रहा था उस वक्त विपक्ष कहाँ था। क्या संसद के गलियारे में खड़े होकर नारे लगा रहा था या कानून पर कोई रचनात्मक चर्चा कर रहा था। संसद का मंच सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए और सरकार से जवाब मांगने के लिए है। शून्यकाल और प्रश्नकाल के द्वारा जनप्रतिनिधि सरकार के नुमाइंदों से जवाब मांग सकते हैं। जनता की मूलभूत समस्याएं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, बिजली, पानी, सड़क, राशन होते हैं।

इन समस्याओं पर सरकार से निरंतर प्रश्न करते रहना विपक्ष का मूल एजेंडा होना चाहिए। साथ ही राजमार्ग का निर्माण, रेल, नदी जल बंटवारा, राज्य सीमा विवाद, साम्प्रदायिक सौहार्द, विदेश नीति, दूसरे देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध, ये सभी किसी भी देश के लिए ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपक्ष के सहयोग के बिना नहीं हो सकते हैं। इन विषयों पर चर्चा के समय अगर विपक्ष हंगामा करता है तो फिर जनता का विपक्ष के प्रति मोहभंग होता है। जनता भली-भांति समझती है कि विरोध तथ्यों और तर्कों के आधार पर है या सिर्फ हंगामा खड़ा करने के लिए है। निष्कर्ष यही है कि विपक्ष को अपनी कार्यशैली पर विचार करना चाहिए। अगर विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो, न कि सिर्फ हंगामे के लिए। विरोध के लिए पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह अपने तर्कों को और मजबूत करे, संसद में रचनात्मक बहस के द्वारा सरकार की नीतियों का विरोध करे यही जनता के हित में है। इसलिए आवश्यक है कि संसद की कार्यवाही निर्बाध रूप से चलती रहे। यही देश हित में है।

विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो न कि सिर्फ हंगामे के लिए। पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

पक्ष व विपक्ष में बने व्यावहारिक संतुलन

मानसून सत्र

डॉ. विजेंद्र कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय लोकतंत्र के मंदिर में जब भी नए सत्र की शुरुआत होती है, तो पूरे देश की निगाहें स्वाभाविक रूप से उस पर टिक जाती हैं। वर्तमान परिदृश्य में, संसद का यह सत्र केवल दैनिक कामकाज का गवाह बनने वाला नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की आधारशिला रखने वाले दो ऐतिहासिक विषयों- परिसीमन विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर निर्णायक चर्चा का केंद्र बनने जा रहा है। आज हर किसी के मन में यह सवाल है कि क्या सरकार इस मानसून सत्र में इन दोनों बड़े बदलावों को सफलतापूर्वक लागू कर पाएगी।

देश के चुनावी भूगोल को बदल देने वाले इन विधेयकों का भविष्य अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि सदन के भीतर सरकार की रणनीति और विपक्ष की असहमति के बीच कैसा व्यावहारिक संतुलन स्थापित होता है। यदि हम परिसीमन विधेयक को समझें, तो यह केवल भौगोलिक सीमाओं का बदलाव नहीं है, बल्कि बदलती जनसंख्या के आधार पर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अद्यतन करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके तहत लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 तक करने का अभूतपूर्व प्रस्ताव रखा गया है। इसका सबसे संवेदनशील पहलू जनसंख्या से जुड़ा है, जिससे विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हो गई है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण संसद में उनका प्रतिनिधित्व घट सकता है। हालांकि, गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि नए परिसीमन से किसी भी दक्षिणी राज्य को नुकसान नहीं होगा, बल्कि उनका आनुपातिक हिस्सा बरकरार रहेगा और कुल सीटों में भी वृद्धि होगी। इसके बावजूद, क्षेत्रीय दल इसे राज्यों के अधिकारों से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक नई राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या सरकार इस सत्र में इस विधेयक को पारित करा सकेगी। इसे पास कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। लोकसभा में सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त संख्याबल है, लेकिन राज्यसभा के आंकड़े और सहयोगी दलों की अपेक्षाओं को साधना एक कठिन चुनौती है। हालांकि, सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली में चौंकाने वाले निर्णयों का एक लंबा इतिहास रहा है, इसलिए राजनीति के इस खेल में किसी भी संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

इसी सरगर्मी के बीच, इस सत्र का दूसरा बड़ा मुद्दा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दूरगामी संकल्पना है। पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने की ठोस वकालत की है। इसका तर्क है कि इससे हजारों करोड़ रुपये की भारी बचत होगी और बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। वहीं, इसके विपरीत विपक्ष और कई विश्लेषकों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दों की आंधी में स्थानीय समस्याएं पूरी तरह दब जाएंगी। उन्हें डर है कि मतदाता एक ही पार्टी के पक्ष में एकतरफा मतदान कर सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों का स्वतंत्र अस्तित्व और देश का संघीय ढांचा कमजोर हो सकता है। इन दोनों महत्वाकांक्षी विधेयकों की राह में केवल संसदीय गणित ही एकमात्र बाधा नहीं है, बल्कि संवैधानिक संशोधनों की वह जटिल प्रक्रिया भी है जिसमें राज्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य होती है। विशेष रूप से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संकल्पना को साकार करने के लिए संविधान के कई महत्वपूर्ण अनुच्छेदों में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में, जहां कई प्रमुख राज्यों में विपक्षी दलों की मजबूत सरकारें आसीन हैं, वहां से इस विधेयक के पक्ष में समर्थन जुटाना केंद्र सरकार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सरकार अपने राजनीतिक कौशल से इस जटिल चक्रव्यूह को भेद पाती है या विपक्ष एकजुट होकर इन विधेयकों को फिलहाल रोकने में सफल रहता है। पूरे देश को प्रतीक्षा है कि पक्ष और विपक्ष राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर इन गंभीर विषयों पर परिपक्व विमर्श प्रस्तुत करेंगे।

यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है।

सांसदों के दैनिक भत्तों में करें कटौती

आर्थिकी

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है।

क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुका है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटीन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 2024 के आम चुनावों के बाद गठित 18वीं लोक सभा में विपक्ष ने पहले की तुलना में अपनी आवाज़ मजबूत की है। इसके प्रारंभिक और बजट सत्रों (2024) में लोक सभा और राज्य सभा क्रमशः 22 और 20 दिनों तक चलीं। हालांकि 2026 के बजट सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक के कारण लगभग 20-25 घंटे व्यवधान की भेंट चढ़ गए, जिससे टैक्सपेयर मनी का नुकसान हुआ। नीट परीक्षा विवाद, विभिन्न केंद्रीय मुद्दों पर विपक्ष के तीखे तेवर, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और सेना के पूर्व जनरलों की किताबों के अंशों पर सदन में चर्चा को लेकर हुए विवादों ने सदन को बार-बार बाधित किया। भारतीय संसद के इतिहास को देखें तो पहली तीन लोक सभाओं (1952-1967) में वार्षिक बैठकों का औसत 120-130 दिन होता था, जो अब घटकर औसतन 60-70 दिन रह गया है। संसद में होने वाले व्यवधान महज तात्कालिक राजनीतिक विवाद नहीं होते बल्कि इनके पीछे कुछ गहरे संस्थागत और सियासी कारण होते हैं। विपक्ष का अकसर यह आरोप रहता है कि सरकार महत्वपूर्ण और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा से बचती है। करदाताओं का पैसा देश के निर्माण के लिए है न कि राजनीतिक गतिरोध की बलिवेदी पर चढ़ने के लिए। संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। न्यूनतम कार्य दिवस तय करना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए। हर महत्वपूर्ण विधेयक को संसद में पारित होने से पहले अनिवार्य रूप से विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के पास भेजा जाना चाहिए ताकि उन पर विशेषज्ञता के साथ चर्चा हो सके। संसद की गरिमा, सर्वोच्चता और उत्पादकता तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे और विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुने।

संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

दोपहर 3.30 बजे से आमने-सामने होगी गिल और ब्रुक की टीमें

लॉर्ड्स में महामुकाबला आज, रोहित की लय और गिल की साख दांव पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए जब रविवार को लॉर्ड्स पर उतरेगी तो समूचे क्रिकेट जगत की नजरें 'हिटमैन' रोहित शर्मा पर लगी होंगी।

तमाम अटकलों के बीच बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि यह रोहित के कैरियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा लेकिन पहले दो मैचों में नाकाम रहे भारत के पूर्व कप्तान खुद को साबित जरूर करना चाहेंगे। फ्रंटफुट पर बेहतरीन पूल शॉट खेलने और स्पिनरों को मैदान के चारों ओर खेलने वाले रोहित इस श्रृंखला में उस लय में नहीं दिखे, जिससे इन अटकलों को बल मिला कि 39 वर्ष का यह दिग्गज अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाला वनडे विश्व कप नहीं खेल सकेगा।

आर्चर और रोहित होंगे आमने-सामने

'क्रिकेट का घर' कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शायद उन्हें लय हासिल करने में मदद मिले। बतौर कप्तान रोहित ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए हमेशा पावरप्ले में जोखिमभरे शॉट्स खेले हैं। उनके प्रशंसक रविवार को उसी रोहित को देखना चाहते हैं। पहले दस ओवर में उन्हें जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदों का सामना करना होगा। कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे, जो सोफिया गार्डंस पर आसानी से आउट हो गए थे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार

दूसरी ओर विराट कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार है । वह बृहस्पतिवार को दूसरे शतक की ओर बढ रहे थे लेकिन आर्चर की गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद भारत का मध्यक्रम ढह गया और टीम को पराजय का सामना करना पड़ा । अब भारतीय टीम उससे सबक लेकर उतरेगी। केएल राहुल की जगह उतरे ईशान किशन शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उछलती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जाहिर हो गई। श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में अच्छा खेला और आदिल रशीद के साथ स्पिनरों का बखूबी सामना किया।

कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

गेंदबाजी में कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हैं। रविंद्र जडेजा की गैर मौजूदगी में अक्षर पटेल ने स्पिन हरफनमौला का काम अच्छे से किया है। भारतीय गेंदबाजों को रूट के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा, जो कोहली की तरह रन बनाए जा रहे हैं। रूट के अलावा इंग्लैंड के बाकी बल्लेबाजों ने कुछ खास नहीं किया है।

खिताबी महासंग्राम आज

अर्जेंटीना के सामने स्पेन का स्टील डिफेंस

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

एक ओर लियोनेल मेस्सी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन का अभेद डिफेंस। विश्व फुटबॉल की बादशाहत के लिए मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना रविवार को स्पेन से होगा तो 'आक्रमण और बचाव' की रोचक जंग देखने को मिलेगी। 2010 की चैंपियन स्पेन ने टूर्नामेंट में फाइनल तक के सफर में सिर्फ एक गोल क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ गंवाया है जबकि अर्जेंटीना ने अब तक इस टूर्नामेंट में सात मैचों में सबसे ज्यादा 19 गोल दागे हैं। यह मुकाबला केवल दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग फुटबॉल शैलियों का भी है।

मेस्सी-यमाल में होगी भिड़ंत

खिताबी मुकाबले को बार्सीलोना के पूर्व नंबर 10 मेस्सी और वर्तमान में 10 नंबर जर्सी पहनने वाले स्पेन के लामिन यमाल के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइनल से पहले मेस्सी और यमाल की वायरल हुई दो दशक पुरानी तस्वीर ने इसे और रोचक मोड़ दे दिया है, जिसमें मेस्सी बाथटब में 'बेबी यमाल' को नहलाते दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने वाली टीम बनती है या स्पेन एक बार फिर 'जाइंटकिलर' साबित होता है।

यूरोप और दक्षिण अमेरिका में जंग

कागजों पर बराबरी के दिख रहे इस मुकाबले में यदि अर्जेंटीना का अनुभव और मेस्सी का जादू चलता है तो ट्रॉफी दक्षिण अमेरिका जा सकती है, लेकिन यदि स्पेन ने अपनी लय और अनुशासित खेल बरकरार रखा तो यूरोप की नई बादशाहत स्थापित हो सकती है। यही अनिश्चितता इस फाइनल को यादगार बनाने के लिए काफी है।

अर्जेंटीना को झेलनी पड़ी पक्षपात की तोहमतें

छह बार की चैंपियन अर्जेंटीना और मेस्सी को इस सफर में पक्षपात की भी तोहमतें झेलनी पड़ी लेकिन मेस्सी ने अब तक 8 और विश्व कप कैरियर में 21 गोल दागकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। इस टूर्नामेंट में उनके और एमबाप्पे के आठ गोल हैं लेकिन चार में सहायता करके मेस्सी 'गोल्डन बूट' की दौड़ में फिलहाल आगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरे गोल में जिस तरह से उन्होंने सूत्रधार की भूमिका निभाई, उससे विरोधी भी दंग रह गए।

खबर संक्षेप

प.बंगाल में विश्व कप की लाइव स्क्रीनिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार फीफा विश्व कप फाइनल की लाइव स्क्रीनिंग यहां नंदन पर विशाल स्क्रीन पर करेगी, जिससे फुटबॉलप्रेमियों को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच यह मुकाबला देखने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि अन्य जिलों में भी इस तरह विशाल स्क्रीन पर लाइव स्क्रीनिंग के इंतजाम किए जा रहे हैं। युवा सेवा और खेल विभाग दूसरे विभागों से बातचीत करके यह इंतजाम कर रहा है। इसके लिए हर जिला प्रशासन को एक लाख रुपए दिए गए हैं। मुख्य स्थल कोलकाता में नंदन, रबींद्र सदन और अकादमी परिसर होंगे, जहां दर्शकों के लिए स्टेडियम जैसा माहौल बनाया जा रहा है। पूर्व खिलाड़ियों और जानी मानी हस्तियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

मुंबई सिटी एफसी के कोच बने मार्केज

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने मनोलो मार्केज को 2026-27 सत्र के लिए एक वर्ष के अनुबंध पर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। मनोलो इससे पहले भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद एफसी के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया और क्लब को 2021-22 सत्र में पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप का खिताब दिलाया। मुंबई सिटी एफसी ने कहा, 'मुंबई सिटी क्लब अपने नए मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज का स्वागत करता है। स्पेन के इस कोच ने एक वर्ष के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और वह आगामी 2026-27 सत्र में मुंबई सिटी की टीम की कमान संभालेंगे।

भारतीय ध्वजवाहक होंगी मीराबाई और लवलीना

ग्लासगो में 23 जुलाई को राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना 'ओवीओ हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।' उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।'

चानू एक दशक से प्रमुख भारोत्तोलक

बत्तीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं।

प्रमुख पदक दावेदार लवलीना

मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में लवलीना को भी भारत की प्रमुख पदक दावेदार खिलाड़ियों में माना जा रहा है।

सोनीपत की पांच बेटियां महिला हॉकी विश्व कप में दिखाएंगी दम

15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम-नीदरलैंड में होगा विश्व कप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हॉकी के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुके सोनीपत ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए घोषित भारतीय सीनियर महिला टीम में सोनीपत से जुड़ी पांच खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में प्रशिक्षण ले रहीं नेहा गोयल, ज्योति रुमावत और इशिका, 'कम एंड प्ले' योजना से उभरकर सामने आई शिल्पी डबास तथा प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली साक्षी राणा शामिल हैं। इस उपलब्धि से जिले के खेल जगत में उत्साह का माहौल है। 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में ये पांचों खिलाड़ी भारतीय टीम की ओर से मैदान में उतरेंगी। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि एक ही जिले से जुड़ी पांच खिलाड़ियों का विश्व कप टीम में चयन सोनीपत की मजबूत खेल संस्कृति, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत का परिणाम है। नेहा गोयल, ज्योति रुमावत, इशिका और शिल्पी डबास वर्तमान में साई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास कर रही हैं। इनमें से अधिकांश खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती दिनों में प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी में प्रशिक्षण लेकर अपनी प्रतिभा को निखारा। वहीं साक्षी राणा भी इसी अकादमी से जुड़ी रही हैं।भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान एवं प्रशिक्षक प्रीतम सिवाच ने पांचों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी शानदार लय में हैं और विश्व कप में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश और सोनीपत का नाम रोशन करेंगी।

भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने के विरोध प्रदर्शन पर चिंता जताई

हर बच्चे को निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार : मनु

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने का विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार है।

इस स्टार निशानेबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह मुद्दा राजनीति से कहीं बड़ा है और छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए अधिक जवाबदेही की आवश्यकता है। मनु ने लिखा, 'इस समय बात हमारे देश के भविष्य से जुड़ी ज़िंदगियों की है। बात हम सबकी है।' मनु ने कहा, 'मैं एक छात्रा हूं और एक समय हम सभी छात्र रहे हैं। हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलना चाहिए। ये कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उनके मौलिक अधिकार हैं। ' जिन छात्रों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई है, उनकी बात करते हुए उन्होंने कहा, 'वे हमारे देश का भविष्य बनने वाले थे। उनके सपनों, उनकी काबिलियत और उनके भविष्य की रक्षा की जानी चाहिए थी। '

पीवी सिंधु खिताब के करीब युफेई ने बीच में छोड़ा कोर्ट

जापान ओपन : फाइनल में आज सामना जापान की यामागुची से

एजेंसी ▶▶| टोकियो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दो साल से अधिक समय में पहली बार फाइनल में पहुंच गई जब जापान की चेन युफेइ ने जापान ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में शनिवार को बीच में ही कोर्ट छोड़ दिया। सिंधू उस समय 21-19, 15-10 से आगे थी जब चेन को मांसपेशी की चोट के कारण पीछे हटना पड़ा। यह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद सिंधू का पहला फाइनल होगा। वह 2024 मलेशिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भी उपविजेता रही थी। आखिरी बार उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 खिताब जीता था।

यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का

फाइनल में रविवार को सिंधू का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी को दूसरे सेमीफाइनल में हराया। यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का है, जिनमें पिछले छह में से पांच मैच उन्होंने जीते हैं।

मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह : सिंधू

मैच के बाद सिंधू ने कहा,'मुझे खुशी है कि फाइनल में पहुंच सकी।' उन्होंने कहा,' मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह है , खासकर आज का मैच। शुरू से ही फोकस बनाए रखना जरूरी था क्योंकि शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ हर अंक मायने रखता है।' सिंधू ने कहा,' मैंने अपना फोकस बनाए रखा था और मेरे कोच भी बार बार यही कह रहे थे। पहले गेम में मैने बढत बना ली थी लेकिन वह काफी करीब आ गई, जिसके बाद फोकस बनाए रखना जरूरी था। कई बार आगे चलने के बाद अंक गंवाने से निराशा आ जाती है। दिमाग में काफी कुछ चल रहा होता है।'

रैंकिंग कुश्ती सीरीज : हरियाणा के खिलाड़ियों ने तीन पदक अपने नाम किए

नेहा ने स्वर्ण, मानसी ने रजत और सविता ने कांस्य जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हंगरी में आयोजित की जा रही बुडापेस्ट रैंकिंग कुश्ती सीरीज में देश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसमें शुक्रवार को देर रात हुए मुकाबलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने तीन पदक जीते। दादरी की नेहा सांगवान ने महिलाओं के 59 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकी मानसी अहलावत ने महिलाओं के 62 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि सविता ने इसी वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। मानसी और सविता रोहतक के छोटूराम स्टेडियम में कोच मनदीप के पास अभ्यास करती है। 59 किलोग्राम वर्ग में, नेहा सांगवान ने फाइनल में मौजूदा पैन-एम चैंपियन अमेरिका की अबीगैल नेट को 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह नेहा का लगातार दूसरा रैंकिंग सीरीज स्वर्ण पदक था, इससे पहले उन्होंने पिछले महीने उलानबटार ओपन में भी जीत हासिल की थी। 18 वर्षीय भारतीय पहलवान ने नॉर्वे की ओथेली होइई को 7-4 से और कजाकिस्तान की पहलवान अल्टीन शागायेवा को 6-4 से हराकर स्वर्ण पदक के लिए दावेदारी पेश की। नेहा ने इस साल की शुरुआत में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक और मुहम्मद मेलो रैंकिंग सीरीज में रजत पदक भी जीता था। रोहतक की मानसी अहलावत ने बाद रजत पदक जीता। पिछले साल बुडापेस्ट प्रतियोगिता में गोडिनेज़ को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा था।

इससे पहले, युवा ओलंपिक में रजत पदक विजेता मानसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। उलानबटार ओपन में कांस्य पदक जीतने के बाद मानसी अहलावत का यह इस साल का दूसरा रैंकिंग सीरीज पदक था। इस बीच, सेमीफाइनल में मानसी से हारने के बाद, रोहतक की सविता ने कजाकिस्तान की इरिना कुज़्नेत्सोवा को 14-5 के अंतर से हराकर कांस्य पदक से संतोष किया। कोच मनदीप ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

अमेरिका का लगातार सातवीं रात ईरान पर भीषण हमला

सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को बनाया निशाना

ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा

एजेंसी ▶▶ तेहरान/वॉशिंगटन

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए। इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को निशाना बनाया गया।

वहीं, ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया।

समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद दो तेल टैंकरों में लगी आग

अमेरिकी हमले में क्षतिग्रस्त ईरान में बंदर अब्बास-रुदान पुल

ईरान का समझौते से पीछे हटने का ऐलान

ईरान ने अमेरिका के साथ एक महीने पहले हुए समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया है। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका ने खुद समझौते का उल्लंघन किया, इसलिए तेहरान अब उसकी शर्तों का पालन नहीं करेगा। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा था कि उन्हें लगता है कि ईरान के साथ हुआ युद्धविराम अब खत्म हो चुका है।

ताबूत में ट्रंप की फैमिली लिखा- 'खून के बदले खून'

ईरान ने राजधानी तेहरान में एक नया होर्डिंग लगाया है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनके पूरे परिवार को ताबूतों में दिखाया गया है। इन ताबूतों पर अमेरिकी झंडा लिपटा हुआ है, जबकि पीछे व्हाइट हाउस को आग की लपटों में घिरा दिखाया गया है। होर्डिंग में ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया और उनके पांचों बच्चों की तस्वीरें भी हैं। इस पर फारसी भाषा में 'खून के बदले खून' का नारा लिखा गया है।

ईरान के 20 गांवों में पानी संकट

ईरान के जस्क काउंटी के बुंजी तटीय गांव में समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले सिस्टम पर अमेरिकी हमले के बाद 20 गांवों के करीब 10 हजार लोग पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। होर्मोजगान वाटर और वेस्टवाटर कंपनी के प्रमुख हमजेह पूर ने कहा कि हमले में समुद्र से पानी खींचने वाला पंपिंग स्टेशन और बुंजी के डिसैलिनेशन प्लांट का पावर ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने इन हमलों को अपराध और आतंकवादी हमला बताया।

अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया।

खबर संक्षेप

यूक्रेनी ड्रोन हमले में 7 रूसी लोगों की मौत

मॉस्को। रूस में रात में यूक्रेन के ड्रोन हमलों में 7 लोगों की मौत हो गई और 51 अन्य घायल हो गए। रूसी अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने रात में रूस की प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों को निशाना बनाया। इनमें से एक यूक्रेन की सीमा से लगभग 360 किमी दूर तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क कस्बे में और दूसरा मॉस्को से लगभग 50 किमी पूर्व स्थित इलेक्ट्रोस्टाल शहर में है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इसकी पुष्टि की है।

नॉर्वे में भीषण आग से 100 घर जलकर खाक

ड्रामेन। दक्षिणी नॉर्वे में लगी भीषण आग में 100 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। सैकड़ों लोगों को यहां से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे ड्रामेन शहर में एक इमारत में आग लगी और देखते ही देखते आसपास के इलाके और नजदीकी जंगलों तक फैल गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे रहे।

चीन में भूस्खलन से 8 की मौत, बचाव कार्य जारी

चोंगकिंग। दक्षिण-पश्चिमी चीन के चोंगकिंग शहर में हुए भूस्खलन में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 अन्य लापता हैं। बचाव दल शनिवार को जीवित बचे लोगों की तलाश में अभियान चला रहा है। यह भूस्खलन शुक्रवार सुबह चोंगकिंग नगर पालिका के बाहरी क्षेत्र स्थित पेंगशुई काउंटी में हुआ, जब बड़ी मात्रा में चट्टानें और मिट्टी ढलान से नीचे खिसक गईं और 10 से अधिक रिहायशी इमारतें इसकी चपेट में आ गईं।

'फोर्सेस फर्स्ट कॉन्क्लेव' में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' केवल एक बयान नहीं, सरकार की कार्यशैली

'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे जटिल अभियान की सफलता में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र की बड़ी भूमिका रही। इस अभियान के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित 'फोर्सेस फर्स्ट कॉन्क्लेव' में कहा कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस केवल एक बयान नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली है। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ केवल अपनी सीमा पर ही नहीं, बल्कि जहां से आतंकवाद संचालित होता है, वहां तक पहुंचकर भी कार्रवाई करने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक है। हमारे जवानों ने आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण देने वालों को करारा जवाब दिया, जिससे आतंकवाद के प्रति सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति स्पष्ट हुई।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा भारत

आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण पर ध्यान

भारतीय सैनिक राष्ट्र गौरव का प्रतीक

राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमाओं पर तैनात सैनिक, समुद्र की गहराइयों में देश की सुरक्षा कर रहे नौसैनिक और आकाश में राष्ट्र की रक्षा करने वाले वायु योद्धा भारत के राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जो देश अपने सैनिकों का सम्मान करना नहीं जानता, उसका भविष्य कभी सुरक्षित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे जटिल अभियान की सफलता में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया।

रक्षा औद्योगिक गलियारे में 70 हजार करोड़ का निवेश

रक्षा मंत्री ने कहा कि यूपी और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा सुधार है। इन गलियारों में उन्नत रक्षा विनिर्माण का काम हो रहा है और कई कंपनियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन चुकी हैं। इन दोनों रक्षा औद्योगिक गलियारों में लगभग 70 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है, जिनमें से करीब 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है।

12 वर्षों में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 'राष्ट्र सर्वोपरि' और 'सेना सर्वोपरि' की भावना के साथ रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण, स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने रक्षा क्षेत्र में निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं।

भारत की क्षमता पर भरोसा जरूरी

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण भारत की क्षमता और कौशल पर विश्वास करने का है, जबकि पहले की सरकारों का नजरिया देश की क्षमताओं को लेकर उतना भरोसेमंद नहीं था। उन्होंने कहा कि भारत के पास रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की पूरी क्षमता है और सरकार उसी दिशा में लगातार काम कर रही है। यदि किसी देश को हथियार, गोला-बारूद, मिसाइल, रडार, ड्रोन, नेवीगेशन सिस्टम और अन्य रक्षा उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़े, तो उसकी रणनीतिक और सैन्य स्वायत्तता भी सीमित हो जाती है।

रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

राजनाथ सिंह ने बताया कि वर्ष 2025-26 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि वर्ष 2014 के आसपास यह करीब 40 हजार करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात भी बढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। वित्त वर्ष 2013-14 में यह केवल 686 करोड़ रुपए था।

जल्द जारी होगी नई सूची

राजनाथ सिंह ने कहा कि अब तक सशस्त्र बलों की ओर से 509 वस्तुओं वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी की जा चुकी हैं। इसके अलावा रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) की ओर से 5,012 वस्तुओं वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां भी जारी की गई हैं।

बीएसएफ के जवानों के साथ अमित शाह

'चिकन नेक' पर सुरक्षा का ध्यान

शाह ने सिलीगुड़ी के पास सीमा सुरक्षा इंतजाम का लिया जायजा

एजेंसी ▶▶ सिलीगुड़ी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उत्तरी बंगाल में संवेदनशील राष्ट्रीय सीमाओं पर बॉर्डर फेंसिंग के साथ सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने बीएसएफ के लिए 77.06 करोड़ रुपए की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उनका दौरा 'चिकन नेक' पर सुरक्षा पर ध्यान बढ़ता है, यह क्षेत्र भारत और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एकमात्र जमीनी संपर्क है। शाह उत्तरी बंगाल के शहर सिलीगुड़ी के बाहरी इलाके में फुलबारी बॉर्डर आउटपोस्ट के जुमागाछ इलाके में बीएसएफ की 18वीं बटालियन की सीमा चौकी पर पहुंचे। यहां उन्होंने अर्द्धसैनिक बलों के जवानों से बातचीत की, फेंसिंग के पास बने वॉच टॉवर का दौरा किया और एक पौधा भी लगाया।

3 अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच है 'चिकन नेक'

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बैठक में मुख्य रूप से 'चिकन नेक' के नाम से प्रसिद्ध सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई है। 17 से 22 किलोमीटर लंबा यह महत्वपूर्ण क्षेत्र पूर्वोत्तर के 8 राज्यों को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी संपर्क का माध्यम है। यह गलियारा तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच स्थित है। इसके उत्तर में नेपाल, दक्षिण में बांग्लादेश और उत्तर-पूर्व में भूटान है। हाल ही में राज्य में बनी सुवेंदु अधिकारी सरकार ने इस क्षेत्र में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 120 एकड़ भूमि बीएसएफ को हस्तांतरित की है।

सीमा प्रबंधन पर की चर्चा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उत्तर बंगाल स्थित राज्य सचिवालय की शाखा 'उत्तर कन्या' में सीमा प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर कई बैठकों की अध्यक्षता की। इन बैठकों में राज्य में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन तथा जन्म और मृत्यु पंजीकरण से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई। शाह शनिवार शाम कोलकाता पहुंचें।

पीओके में हो रही हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घिरा पाक

यूएन मानवाधिकार ने जताई चिंता, मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच की भी मांग

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच कराने की मांग की है ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। जिनेवा से जारी बयान में ओएचसीएचआर ने कहा कि 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

गहन और निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए

वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। यूएन ने कहा है कि ऐसे समय में जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है, इंटरनेट पर रोक लगाने से लोगों के सूचना प्राप्त करने, साझा करने और अपनी बात रखने के अधिकार पर असंगत प्रभाव पड़ता है। यूएन ने अधिकारियों से पूरे क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बहाल करने की अपील की है।

पाक पर मध्यस्थ के तौर पर भरोसा नहीं, वो शत्रु मानता: डॉ. इनात विल्फ

तेल अवीव। इजराइल की पूर्व सांसद और ओज पार्टी की चेयरपर्सन डॉ. इनात विल्फ ने पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इजराइल के लोग भारत और पीएम मोदी के लिए अच्छी राय रखते हैं। लोग दोनों देशों के बीच अगले कुछ वर्षों में एक बड़े और गहरे गठबंधन की उम्मीद कर रहे हैं। वहीं अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका को लेकर उन्होंने कहा कि इजराइल, पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता और न ही कर सकता है। अगर कोई देश मध्यस्थ बनना चाहता है, तो सबसे अहम जरूरत यह है कि उसके उन पार्टियों के साथ पूरे और खुले राजनयिक संबंध हों जिनके साथ वह मध्यस्थता करने का दावा करता है।

पीयूष गोयल ने फिनलैंड की प्रमुख कंपनियों से की मुलाकात

दूरसंचार, निवेश सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी और मजबूत करने पर जोर

नोकिया के साथ 5जी और 6जी तकनीक पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ स्मार्ट सिटी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में बढ़ेगा

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फिनलैंड की अग्रणी प्रौद्योगिकी और औद्योगिक कंपनियों के साथ रणनीतिक बैठकों के जरिए भारत-फिनलैंड आर्थिक एवं तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। बैठकों में दूरसंचार, अनुसंधान, स्मार्ट अवसंरचना, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

वीटीटी के साथ नवाचार पर जोर

यूरोप के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों में शामिल वीटीटी तकनीकी अनुसंधान केंद्र में हुई बैठक के दौरान अनुसंधान, नवाचार, उन्नत प्रौद्योगिकी, औद्योगिक परिवर्तन, उन्नत सामग्री, डिजिटलीकरण और सतत विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने अनुसंधान साझेदारी और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को मजबूत करने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

केओएनई के साथ स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा

केओएनई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठक में स्मार्ट शहरी अवसंरचना, लिफ्ट और एस्केलेटर तकनीक, सतत निर्माण समाधान, उन्नत विनिर्माण और स्थानीयकरण पर सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की गई। भारत के तेजी से विकसित हो रहे अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर भी विचार हुआ।

केम्पी समूह के साथ औद्योगिक नवाचार पर फोकस

केम्पी समूह के नेतृत्व के साथ हुई बैठक में उन्नत औद्योगिक मशीनरी, वेल्डिंग तकनीक, विनिर्माण नवाचार, आधुनिक औद्योगिक समाधान और भारत के बढ़ते विनिर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशी गईं।

भारत-फिनलैंड आर्थिक संबंधों को मिली नई गति

इन बैठकों ने फिनलैंड के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान किया, जिससे भारत की विश्वसनीय विनिर्माण और नवाचार साझेदार के रूप में पहचान और मजबूत हुई। यह दौरा प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, सतत विनिर्माण और निवेश के क्षेत्रों में दोनों देशों की साझेदारी को नई गति देने की साझा प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28